सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

परफॉर्मेंस से पहले होती थी घबराहट -पेजः 8

असली फैन तो धोनी के हैं: हरभजन -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 42 | सोमवार- 19 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

ओवैसी ने नये वक्फ कानून की आलोचना की, उच्चतम न्यायालय से न्याय की उम्मीद जतायी

नयी दिल्ली (एजेंसी) ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नये वक्फ कानून को ''असंवैधानिक'' करार देते हुए आरोप लगाया है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को ''नष्ट'' करना है। उन्होंने इस मामले में उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद जतायी।

ओवैसी ने शनिवार को 'पीटीआई-वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में यह भी सवाल उठाया कि जब विभिन्न मुद्दों के लिए कई अलग-अलग कानून हैं, तो समान नागरिक संहिता (यूसीसी) 'समान' कैसे हो सकती है।

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वक्फ (संशोधन) अधिनियम की सराहना करने वालों को चुनौती दी कि वे बताएं कि नये कानून में कौन सी धाराएं अच्छी हैं। ओवैसी ने सवाल किया, ''मुझे बताएं कि यह किस तरह से प्रगतिशील कानून है? मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की संपत्ति बचेगी। मुझे एक प्रावधान बताएं, जिससे वक्फ की आय में वृद्धि होगी और एक प्रावधान जिससे अतिक्रमणकारियों को हटाया जाएगा।'' ओवैसी वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के एक सदस्य थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून वक्फ को ₹नष्ट₹ करने के लिए बनाया गया है।

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने कहा, ''आपने (पिछले कानून से) अच्छे प्रावधानों को हटा दिया। मुझे बताइये कि (नये कानून में) कौन सी धाराएं अच्छी हैं... न तो सरकार और न ही उनके समर्थन में बैठे लोग बता पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि दाऊदी बोहरा चाहते थे कि उन्हें वक्फ कानून के दायरे से बाहर रखा जाए। ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है और दावा किया है कि यह कानून संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, ''हमें उच्चतम न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह एक असंवैधानिक कानून है।''

उनकी यह टिप्पणी पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय द्वारा यह कहे जाने के बाद आयी है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं के संबंध में अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर 20 मई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ 'वक्फ बाई यूजर' या 'वक्फ बाई डीड' द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार समेत तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के मामले में दलीलें सुनेगी। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित याचिकाओं में उठाया गया है। तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार, जब जिलाधिकारी यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

संविधान का शासन बनाए रखने का पूरा प्रयास करूंगा: प्रधान न्यायाधीश

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने शनिवार को संविधान और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा अपने सम्मान में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति गवई ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि संवैधानिक वादे भारतीय समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंच सकें। गवई ने 14 मई को 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

उन्होंने कहा, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि मेरे पास जो भी छोटा सा कार्यकाल है, मैं कानून के शासन को बनाए रखने तथा भारत के संविधान को बनाए रखने की अपनी शपथ पर कायम रहने की पूरी कोशिश करूंगा।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को जन्मदिन की बधाई दीं

नयी दिल्ली (एजेंसी) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी। धनखड़ का जन्म 18 मई, 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में हुआ था। उन्होंने 11 अगस्त, 2022 को देश के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हूं। मैं कामना करती हूं कि वे अनेक वर्षों तक राष्ट्र की सेवा करते रहें।"

योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को जन्मदिन की बधाई दी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सादगी, शुचिता और अनुशासन के प्रतीक, माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई!" योगी ने कहा, "प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ जीवन एवं आरोग्यता हेतु प्रार्थना है।" उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर अपने बधाई संदेश में कहा, "पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल एवं उपराष्ट्रपति आदरणीय श्री जगदीप धनखड़ जी, आपको जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम जी से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं।" उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "देश के महामहिम उपराष्ट्रपति आदरणीय श्री जगदीप धनखड़ जी आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।"

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को उनके 92वें जन्मदिन पर दी बधाई

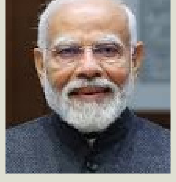

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा को रविवार को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। जून 1996 से अप्रैल 1997 तक प्रधानमंत्री रहे देवेगौड़ा रविवार को 92 वर्ष के हो गए। गौड़ा का जन्म 18 मई 1933 को हासन जिले के उनके पैतृक गांव हरदनहल्ली में हुआ था। जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष गौड़ा 11 दिसंबर 1994 से 31 मई 1996 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,"पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा जी को जन्मदिन की बधाई। वह अपनी दूरदर्शी सोच और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं।" उन्होंने कहा, "विभिन्न विषयों पर उनकी समझ और अनुभव हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।" कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "देश के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को जन्मदिन की बधाई। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु प्रदान करें।" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा और उनके बेटे एवं भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने भी गौड़ा को जन्मदिन की बधाई दीं।

सपा कार्यकर्ताओं को समझा दिया है

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी बयानबाजी बंद करेः अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ पर राज्य के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बारे में की टिप्पणी के मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समाजवादी कार्यकर्ताओं को समझा दिया है, लेकिन उम्मीद है कि पाठक जिस तरह की बयानबाजी निंरतर करते आये हैं उस पर भी विराम लगेगा। यादव ने शनिवार देर रात पाठक के मामले में एक लंबा पोस्ट लिखा।

यादव ने पाठक को नसीहत देते हुए कहा, "सब जानते हैं कि हम यदुवंशी हैं और यदुवंश का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है। ऐसे में हमारे 'डीएनए' के बारे में आपके प्रहार से हम धार्मिक रूप से भी आहत हुए हैं।"

वहीं, ब्रजेश पाठक ने रविवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा "हे महान लोहिया, जनेश्वरजी ! इन नादानों को क्षमा करें, इन्हें कुछ पढ़ाया - लिखाया , सिखाया व समझाया नहीं गया।"

दरअसल, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लखनऊ महानगर इकाई के अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने राज्य के मुख्य विपक्षी दल सपा मीडिया प्रकोष्ठ के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल के अज्ञात हैंडलर के खिलाफ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के "डीएनए" को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में शनिवार को लखनऊ के हजरतगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सपा के मीडिया प्रकोष्ठ ने शनिवार को 'एक्स' खाते पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के डीएनए को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हालांकि कुछ देर बाद पोस्ट को डिलीट कर दी गई। पाठक ने सपा के 'डिलीट' पोस्ट को साझा करते हुए शनिवार को यादव पर निशाना साधा।

पाठक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा "अखिलेश जी, ये आपकी पार्टी की भाषा है? ये आपकी पार्टी का आफिशियल हैंडल है!! किसी के दिवंगत माता-पिता के लिए शब्दों का ये चयन है?"

पाठक ने पोस्ट में कहा "लोकतंत्र में सहमति-असहमति और आरोप-प्रत्यारोप सब चलते आए हैं और चलते रहेंगे पर आप अपनी पार्टी को इस स्तर पर ले आएंगे? क्या आदरणीय डिंपल जी इस स्त्री विरोधी और पतित मानसिकता को स्वीकार करेंगी? सोचिएगा!!!"

पाठक के इस पोस्ट के कुछ घंटे बाद यादव ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में कहा "हमने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जी की टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए, पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गयी आपकी (पाठक) 'अति अशोभनीय टिप्पणी' से आहत होकर आपा खो बैठे।" यादव ने कहा "आइंदा ऐसा न हो, इसके लिए हमने उनसे तो ये आश्वासन ले लिया है लेकिन आपसे भी यही आशा है कि आप जिस तरह की बयानबाजी निंरतर करते आये हैं उस पर भी विराम लगेगा।"

उन्होंने पोस्ट में कहा "आप जिस स्तर के बयान देते हैं वे भले आपको अपने व्यक्तिगत स्तर पर उचित लगते हों, लेकिन आपके पद की मर्यादा और शालीनता के पैमाने पर किसी भी तरह उचित नहीं ठहाराये जा सकते।"

यादव ने कहा, "ऐसे में आपसे आग्रह है कि राजनीति करते-करते न अपनी नैतिकता भूलिए और न ही धर्म जैसी संवेदनशील भावना को जाने-अंजाने में ठेस पहुंचाइए।"

यादव ने कहा "आशा है आप अपनी टिप्पणी के लिए अपने अंदर बैठे हुए उस अच्छे इंसान से क्षमा मांगेंगे, जो पहले ऐसा न था। आप यदि एकांत में बैठकर अपने विगत वर्षों के व्यवहार, विचार और व्यक्तित्व का निष्पक्ष अवलोकन-आलोचन करेंगे तो पाएंगे कि मूल रूप से आपके विचारों में पहले कभी भी ऐसा विचलन न था। न ही आपकी राजनीतिक आकांक्षाएं ऐसी थीं कि आप व्यक्तिगत स्तर पर आदर्श को भूल जाएं और अपना शाब्दिक संतुलन खो बैठें।" सपा प्रमुख ने कहा, "आशा है इस बात को यहीं खत्म समझा जाएगा। एक जनसेवक होने के नाते हम सबके पास जनसेवा के लिए वैसे भी समय हमेशा कम रहता है, ऐसे में व्यर्थ के विषयों में न उलझकर हमें सकारात्मक राजनीति के उद्देश्यों पर अडिग रहकर आगे बढ़ते रहना चाहिए। शुभेच्छा!"

इस बीच, पाठक ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, "सपा मीडिया प्रकोष्ठ के साथी आलोचना करने के दौरान जिन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, उसे पढ़ कर लगता ही नहीं कि यह पार्टी राममनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र की पार्टी रह गई है। जार्ज साहब की बात तथाकथित समाजवादी भूल गए कि शिविर लगाया करो, पढ़ा - लिखा करो।"

पाठक ने कहा "अखिलेशजी ! सपाइयों को लोहिया- जेपी पढ़ाइए और पंडित जनेश्वर जी के भाषण सुनवाइए, ताकि इनके आचरण और उच्चारण में समाजवाद झलके। लोहिया की किताबें आप पर न हो तो मैं उपलब्ध करवा सकता हूं........."

उन्होंने कहा "हे महान लोहिया, जनेश्वरजी ! इन नादानों को क्षमा करें, इन्हें कुछ पढ़ाया - लिखाया , सिखाया व समझाया नहीं गया।"

सत्रह सांसदों को दिया जाएगा संसद रत्न पुरस्कार

नयी दिल्ली (एजेंसी) भर्तृहरि महताब और रवि किशन समेत 17 सांसदों और दो संसदीय स्थायी समितियों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इन पुरस्कारों की शुरुआत 'प्राइम पॉइंट फाउंडेशन' ने की थी। ये पुरस्कार सांसदों को संसद में उनके योगदान के लिए दिए जाते हैं। पुरस्कार विजेताओं का चयन राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर की अध्यक्षता वाली निर्णायक समिति ने किया।

महताब, सुप्रिया सुले (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार), एन. के. प्रेमचंद्रन (रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी) और श्रीरंग अप्पा बारणे को 'संसदीय लोकतंत्र में उत्कृष्ट व निरंतर योगदान' के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन' की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि ये चार सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा के दौरान शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सांसद थे और अपने वर्तमान कार्यकाल में भी वे ऐसा ही कर रहे हैं।

अन्य पुरस्कार विजेताओं में स्मिता वाघ (भारतीय जनता पार्टी), अरविंद सावंत (शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे), नरेश गणपत म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा), पी. पी. चौधरी (भाजपा), मदन राठौर (भाजपा), सी. एन. अन्नादुरई (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं।

विभागों से संबंधित दो स्थायी समितियों वित्त और कृषि को भी संसद में प्रस्तुत उनकी रिपोर्टों के आधार पर पुरस्कार के लिए चुना गया है।

उप्र सरकार 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण करेगी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश सरकार 1990 से पहले के सम्पूर्ण राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण की तैयारी कर रही है। रविवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने की तैयारी है। स्टांप एवं पंजीकरण विभाग अब 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की तैयारी कर रहा है और जल्द ही इस कार्य के लिए संस्था का चयन किया जाएगा।

विभाग चरणबद्ध तरीके से पुराने अभिलेखों की 'स्कैनिंग' और डिजिटलीकरण का कार्य पूरा कर रहा है। विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 तक 2002 से 2017 तक के विलेखों का डिजिटलीकरण 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, 1990 से 2001 तक के विलेखों के डिजिटलीकरण के लिए यूपीडीईएससीओ की ओर से निविदा प्रक्रिया चल रही है। अब तीसरे चरण में 1990 से पहले के अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर काम शुरू होने जा रहा है।

बयान के मुताबिक इस डिजिटलीकरण प्रक्रिया से राजस्व से जुड़े दस्तावेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी। स्कैनिंग के बाद अभिलेखों की 'हार्डकॉपी' को केंद्रीय रिकॉर्ड कक्ष में स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे उपनिबंधक कार्यालयों में पुरानी फाइलों के अंबार से राहत मिलेगी। इससे न केवल कार्यालयों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि अभिलेखों की दीर्घकालिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

जनपद में जगह-जगह निकली शौर्य तिरंगा यात्रा

» **सब का सपना संवाददाता**

अमरोहाः भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि दुनिया ने भारतीय सेना का लोहा माना है।

आपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद किसान हो या नौजवान सभी में देशभक्ति का जज्बा उफ़ान पर है। भारतीय सैनिकों के शौर्य और पराक्रम को सम्मान देने के लिए स्वस्फूर्त किसानों और नौजवानों द्वारा जगह-जगह तिरंगा यात्रा के जरिए आपरेशन सिंदूर के जश्न के साथ देशभक्ति का जज्बा व जोश दिखाई दे रहा है। देशभर में तिरंगा यात्रा की पहल करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लगातार 11 दिनों तक तिरंगा यात्रा का सिलसिला यूंही जारी रहने वाला है। इसी श्रृंखला में हाल

ही में औद्योगिक क्षेत्र गजरौला की तिरंगा यात्रा में भी देशभक्ति से ओत-प्रोत किसानों और जवानों ने न केवल भरपूर उत्साह उमंग के साथ एकजुटता और देशभक्ति का संदेश दिया बल्कि यात्रा में शामिल राजनेताओं समेत अन्य पर पुष्प वर्षा कर भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यालय के सामने सभी का अभूतपूर्व स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दूसरी बार सांसद व प्रसिद्ध समाजसेवी चौधरी कंवर सिंह तंवर के नेतृत्व में शिव इंटर कॉलेज से शुरू हुई तिरंगा यात्रा का इंदिरा चौक पर जाकर समापन हुआ। मंडी धनौरा सुरक्षित सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लगातार दूसरी बार विधायक राजीव तरारा के अलावा किसानों के बड़े संगठन समझे जाने वाले भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी, प्रमुख सचिव अरुण सिद्धू, भाजपा नेता कैलाश गुर्जर, रामबीर सिंह गुर्जर, हरपाल सिंह, ग्रामीण राजनीति से लंबे समय से जुड़े नरेन्द्र कटारिया प्रधान की उपस्थिति के दौरान देशभक्ति के तराने गूंजे। किसानों व नौजवानों ने भारत माता, वंदे मातरम् सहित कई देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मौजूदगी में कार्यालय पर किसान नेता व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि जब राष्ट्र की संप्रभुता और रक्षा की बात आएगी हम सभी को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर एक मंच पर राष्ट्र की सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आपरेशन सिंदूर के जरिए आतंक परस्त मुल्क पाकिस्तान का जो हाल भारतीय सेना ने किया,उसको पूरी दुनिया ने न केवल देखा बल्कि वीर सैनिकों के पराक्रम का लोहा भी माना। भारत की सेना ने बता दिया कि सरहद की ओर उठने वाली किसी भी नापाक हरकत का जवाब मजबूती से दिया जाएगा। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा सभी वर्गों के लोग, समाजसेवी संगठन,आम नागरिक, ने हिस्सा लेकर एकजुटता, देशभक्ति तथा राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया।

संपादकीय

बंद हो मैला साफ करने की अमानवीय प्रथा

यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फलत: सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। यह दुखद ही कि छह मई को बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। पंद्रह मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सैप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। निश्चित रूप से ये अलग-अलग दुर्घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये व्यवस्था की विद्रूपता के चलते हुई हत्याएं हैं। जिसके कारक तंत्र की उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित हैं। विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है। बठिंडा में लोगों के विरोध के बाद एक निजी ठेकेदार के खिलाफ देर से प्राथमिकी दर्ज जरूर की गई, लेकिन फरीदाबाद और रोहतक में मामला दर्ज होने की कोई खबर नहीं है।

दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हादसों का स्याह पक्ष जातीय विद्रूपता भी है। अधिकांश सफाई कर्मचारी समाज में हाशिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है। न्यायपालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हादसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए। सीवर की सफाई से जुड़ी मौत के लिये स्वत: कानूनी कार्रवाई, तत्काल मुआवजा और विभागीय कार्रवाई की जाए। मानवीय श्रम की जगह तकनीक के उपयोग से बहुमूल्य जीवन को बचाया जाना चाहिए। ये काम सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे। बदलाव व्यवहार में भी नजर आए। हमारे कानून को ठीक से लागू न कर पाने से किसी की दर्दनाक मौत नहीं होनी चाहिए।

किसानों से जुड़ी समस्याओं को ले भाकियू (शंकर) ने किया पंचायत का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला/अमरोहा: भारतीय किसान यूनियन (शंकर) ने रविवार को प्राथमिक विद्यालय चक्कालीलेट हॉल्ट पर एक किसान का आयोजन किया। इस पंचायत को चौधरी वीर सिंह की अध्यक्षता में व इसका संचालन प्रवक्ता सत्यवीर सिंह ने किया। जिसमें पूर्व प्रधान योगपाल, रविओम सहित दर्जनों ग्राम वासियों ने बताया कि रेलवे लाइन हॉल्ट पर लगभग 700 बीघा हमारी जमीन कंटेनर डिपो बनाए जाने के लिए अधिग्रहण को प्रस्तावित किया गया है, जिसका सभी किसान एक स्वर में विरोध कर रहे हैं , क्योंकि जमीन हमारी आजीविका है ओर इससे हमारी रोजी-रोटी चलती है। यदि देश के विकास को जमीन का अधिग्रहण अति आवश्यक है तो किसानों को जमीन का मुआवजा 40 लाख रूपए प्रति बीघा दिया जाए व जिन किसानों की जमीन इसमें जाए उस परिवार से एक बच्चे को योग्यता के आधार पर नौकरी दी जाए। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि हमारा संगठन किसानों के हक की लड़ाई हर पटल पर लड़ता चला आ रहा है और लड़ता रहेगा। किसानों के सामने अनगिनत समस्याएं हैं जिनका निदान कराया जाना आवश्यक है।

जनपद में गुलदार- तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है,जिसके हमले में कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, वन विभाग व प्रशासन को इन्हें पकड़ते हुए इनका कोई स्थायी समाधान निकालना चाहिए। धनौरा शुगर मिल से भी किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान 15% ब्याज़ सहित सहित किया जाए, इसके साथ ही विधुत की लापरवाही-उत्पीड़न व भृष्टाचार पर प्रहार करते हुए इसे ख़त्म किया जाना चाहिए।

वहीं विधुत विभाग द्वारा कृषि ट्रांसफार्मरों पर बॉक्स लगाए जा रहे है जो प्रतिदिन खराब हो रहे हैं और किसानों को पर्याप्त विधुत सप्लाई नहीं मिल पा रही है, जिस कारण फसलों की सिंचाई में मुश्किल आ रही है।

किसानों को बिजली की ज्यादा आवश्यकता पूरे वर्ष में केवल अप्रैल एवं जून माह तक केवल 3 माह होती है, इसीलिए किसानों को 10 घण्टे निर्बाध विधुत आपूर्ति की जानी आवश्यक है, वर्ष 2019 से बंद पड़े सामान्य योजना कनेक्शन को भी लागू किया जाए, साथ ही बिजली चेकिंग व बिजली चोरी के नाम पर किसान व आम जनता का उत्पीड़न बंद किया जाना चाहिए। वहीं जिन किसानों के विधुत कनेक्शन नहीं हैं उनको लाखों का बिल थमाया जा रहा जोकि इस विभाग की बहुत बड़ी लापरवाही है, ऐसे दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके अलावा सहकारी समितियों पर ब्याज दर को 3 प्रतिशत से बढाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है, हमारे संगठन के द्वारा इस विषय को भी सरकार तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। सहकारी समितियों द्वारा उर्वरक खाद के साथ में किसानों को जबरन तरीके से नैनों यूरिया व नैनों डीएपी दिया जा रहा है इस पर भी तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए।

इस दौरान पंचायत में प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर गुर्जर,विक्रम पवार,राजवीर गुर्जर, चौधरी धर्मवीर सिंह, डॉ भाग, चौधरी सोमपाल सिंह प्रवीण कुमार ,राकेश रतनपुर, चौधरी नेमपाल सिंह, अशोक, सर्वेश देवी, मोनू चौधरी, जगत सिंह चौहान, मोजी रामपाल, अंकित चौधरी, रविंद्र सिंह, अकताब हुसैन, नईम पाशा, इंद्रपाल सिंह, लेखराज पाल, जयवीर सिंह, कृपाल सिंह, नरदेव सिंह, प्रदीप कुमार, हेमसिंह, भूरे सिंह, करतार सिंह, शिवम, गुरु वचन सिंह, नरेश सिंह, मदनपाल सिंह, हर्ष चौधरी, शोभित चौधरी, मूलचंद सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे

टाइगर में फैले बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के उपरांत जनपद में सतर्कता बनाए रखने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान जनपद गोरखपुर के टाइगर में H5 एवियन और एंपलूएज्मा वायरस से पॉजिटिव होने की पुष्टि को लेकर अमरोहा जिले में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश कुमार शर्मा को जिले में सतर्कता बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इस दौरान उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर राजेश कुमार शर्मा के निर्देश पर जिले में बर्ड फ्लू वायरस को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसी के साथ पशुधन प्रसार अधिकारियों के द्वारा मुर्गी फार्म, अन्य फार्मो पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी के साथ उन्होंने सावधानियां बरतने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बर्ड फ्लू, जिसे एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है, एक वायरल संक्रमण है जो न केवल पक्षियों को बल्कि मनुष्यों और अन्य जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है। वायरस के अधिकांश रूप पक्षियों तक ही सीमित हैं। H5N1 बर्ड फ्लू का सबसे आम रूप है। इसी के साथ उन्होंने बचाव के उपाय बताए है जिनमें प्रमुख है सभी पोल्ट्री उत्पादों को भले प्रकार पका कर खाना, एवियन इन्फ्लूएंजा वाले क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मों और जीवित पक्षियों या पशुओं के ₹गीले₹ बाजारों से बचें। कच्चे पोल्ट्री उत्पादों को छूने के बाद हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। कच्चे पोल्ट्री उत्पादों को छूने के बाद अपनी आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा गंभीर

बहजोई/संभल : मिट्टी से भरे हुए डंपर से मोटरसाइकिल सवार दो लोग टकरा गए एक की मौके पर ही मौत हो गई दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मामला जनपद संभल के कोतवाली बहजोई गांव मऊ कठेर का है दो व्यक्ति मंगली पुत्र जगदीश (24) महिपाल पुत्र मेघ सिंह (22) निवासी ब्यौरा थाना राजपुरा जिला सम्भल ये दोनों लोग मोटर साइकिल पर सवार होकर मानौना धाम से आ रहे थे बिजनौर बदायूं मार्ग गांव मऊ कठेर के पास मिट्टी के डंपर से टक्कर हो गई, सीएचसी बहजोई पर घायल अवस्था में दोनों लोगों को लाया गया चिकित्सकों ने मंगली को मृत घोषित कर दिया।

बागड़पुर में छात्रा की मौत के मामले में हुई फांसी लगाने की पुष्टि

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जनपद के थाना नौगांव सादात क्षेत्र में छात्रा की मौत का मामला सामने आया था। जहां शुक्रवार दोपहर को छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने छात्रा के पिता की शिकायत पर गांव के ही रहने वाले लक्की ओर शिवम के ख़िलाफ़ ग़ैर इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्रा की मौत का कारण हैंगिंग बताया गया है। पुलिस ने छात्रा के घर से वह दुपट्टा भी बरामद कर लिया है जिससे उसने कथित तौर पर फांसी लगाई थी।प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार छात्रा की मौत दम घुटने से हुई है। गांव में प्रेम प्रसंग की चर्चाओं के बीच पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया था। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया है। अब पुलिस अभियोजन से राय लेकर मुकदमे को आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में संशोधित करने पर विचार कर रही है। मामले में आगे की कार्यवाही अभियोजन की राय के आधार पर की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली गई तिरंगा यात्रा देशभक्ति के नारों से गूंजा पूरा गांव

» सब का सपना संवाददाता

रजबपुर/अमरोहा: गांव में रविवार को भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

यह यात्रा जिले के महामंत्री चंद्रभान सिंह भाटी निवर्तमान मंडल अध्यक्ष रामनिवास गोला के नेतृत्व में यह यात्रा रजबपुर शिव मंदिर के प्रांगण से शुरू की गई और यात्रा पूरे गांव में घूमती हुई हाईवे पुलिस चौकी रजबपुर पर बड़े उत्साह और सम्मान के साथ संपन्न हुई। मंडल कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे लगाए और डीजे के द्वारा देशभक्ति के गाने पर लोगों ने खूब आनंद उठाया। रामनिवास गोला ने बताया कि पहलगांव में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान सीमा में छिपे आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। पाकिस्तान सेना की ओर से सीमावर्ती क्षेत्र में की गई हमलों की कोशिशें को भारतीय सेना ने विफल कर दिया। सैनिकों ने सैकड़ो ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। चंद्रभान सिंह भाटी ने कहा कि हमारी सेना दुश्मन को जवाब देने से कभी पीछे नहीं हटती है। दुश्मन को मुंह तोड़ जवाब दिया जाता है। जैसा की हमारी सेन के द्वारा आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया है। यात्रा में रजबपुर मंडल अध्यक्ष राजीव चौधरी संदीप चौधरी महिपाल सिंह चौहान मेघराज सिंह चौहान जितेंद्र सिंह चौहान मनोज कुमार अमित कुमार सत्यदेव हुकम सिंह सोहित गुर्जर सभासद पुष्पेंद्र सैनी कुलदीप प्रजापति बूटे सिंह खंड संचालक जोया सुधीर कुमार नितिन प्रधान जोगिंदर सिंह अमित चौधरी नीरज सैनी केशव नमित सिरोही मनु सिरोही प्रिंस कुमार गोलू भोलू खां निखिल पारस पुष्कर आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

शराब के ठेकों पर ओवर रेटिंग का खुला खेल आवाज उठाने पर युवक पर हुआ जानलेवा हमला

» सब का सपना संवाददाता

गढ़/हापुड: शराब के ठेकों पर आए दिन ओवर रेटिंग की खबरें सामने आती रहती है वही विभाग के द्वारा कार्यवाही भी की जाती है। उसके बाद भी शराब के ठेकों पर ओवर रेटिंग का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक ऐसे ही मामले में युवक को शराब की ओवर रेटिंग के लिए मना करने पर मारा पीटा गया है। मिली जानकारी के अनुसार गढ़मुक्तेश्वर के रविदास चौक पर अंग्रेजी शराब का ठेका स्थित है जहां नगर का ही एक युवक ठेके पर शराब लेने गया था। जिस पर युवक ने ओवररेटिंग का विरोध किया तो शराब ठेके के कर्मचारियों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया और युवक को दुकान के अंदर खींच लिया गया। जिसके बाद युबक बुरी तरीके मारा पीटा गया। जिससे कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वहीं मामले की जानकारी युवक के परिजनों को लगी तो वह उसे नजदीक के एक निजी अस्पताल में लेकर गए जहां युवक को 32 टांके आए हैं। वहीं परिजनों के द्वारा कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गई है।

पर्सनालिटी

खुशवंत सिंह ने आखिरी पड़ाव तक नहीं छोड़ा लेखन कार्य, इन 3 चीजों से था बेहद लगाव

देश के प्रसिद्ध लेखक, उपन्यासकार और इतिहासकार खुशवंत सिंह का 02 फरवरी को जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी पड़ाव तक लेखन का कार्य नहीं छोड़ा था। वह एक जिंदादिल और बेबाक शख्स थे।

02 फरवरी को देश के प्रसिद्ध लेखक, उपन्यासकार और इतिहासकार खुशवंत सिंह का जन्म हुआ था। उन्होंने अपने पेशेवर जिंदगी में बहुत ख्याति अर्जित की थी। बता दें कि उनका बचपन से ही राजनीति से नाता था। खुशवंत सिंह के चाचा सरदार उज्जवल सिंह पंजाब और तमिलनाडु के राज्यपाल रहे थे। उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी पड़ाव तक लेखन का कार्य नहीं छोड़ा था। वह एक जिंदादिल और बेबाक शख्स थे। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर खुशवंत सिंह के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

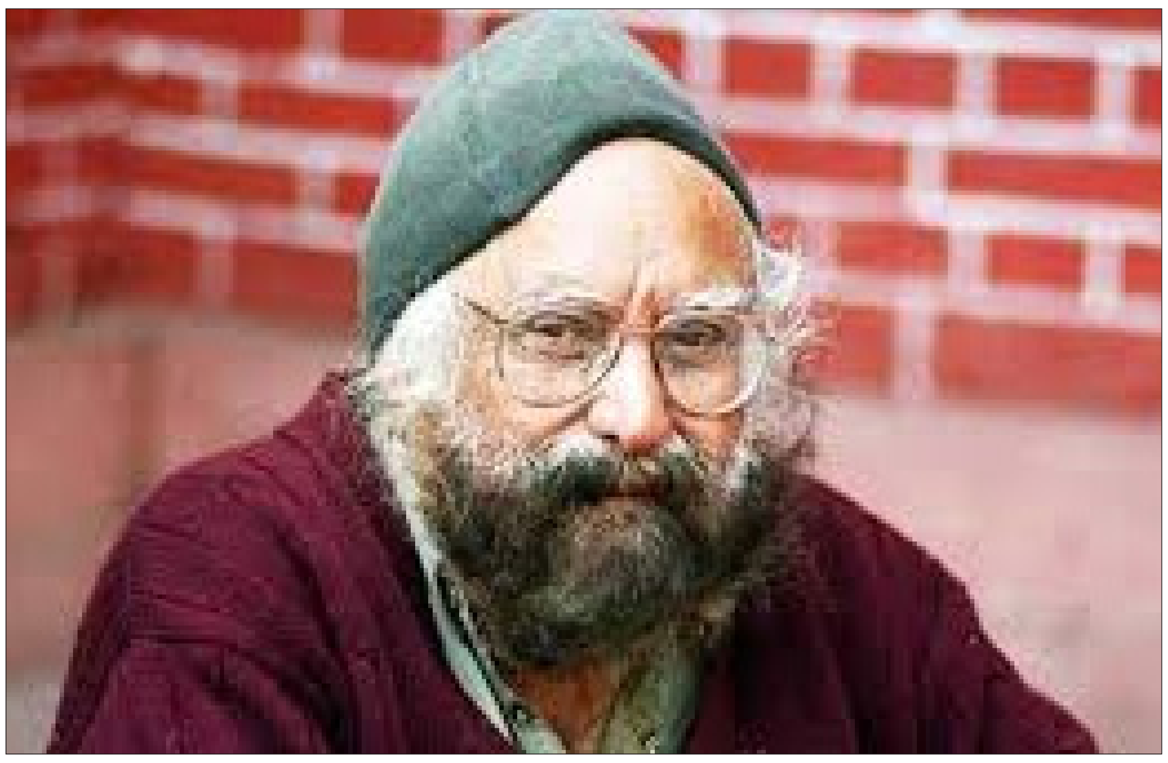

जन्म और शिक्षा

पाकिस्तान पंजाब के खुशाब के हदाली जिले में 02 फरवरी 1915 को खुशवंत सिंह का जन्म हुआ था। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज और लंदन के किंग्स कॉलेज में पढ़ाई किया। उन्होंने साल 1939 में कवल मलिक से शादी की थी। उनके बेटे का नाम राहुल सिंह और बेटी का नाम माला है।

राजनीतिक करियर

वह अपने पेशेवर जिंदगी में एक पत्रकार के रूप में ख्याति अर्जित की थी। वह सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी काफी फेमस थे। उनकी एक किताब 'ट्रेन टू पाकिस्तान' काफी लोकप्रिय हुई थी। इस बुक पर फिल्म भी बन चुकी है। साल 1951 में खुशवंत सिंह आकाशवाणी से जुड़े थे।

वहीं साल 1951 से लेकर 1953 तक उन्होंने भारत सरकार के पत्र 'योजना' का संपादन किया। खुशवंत सिंह को पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

खुशविंत सिंह राजनीति के प्रबल आलोचक रहे। साल 1980 से लेकर 1986 तक वह राज्यसभा के मनोनीत सदस्य रहे।

खुशवंत सिंह के बारे में कहा जाता है कि वह अपनी पूरी जिंदगी एक जिंदादिल इंसान की तरह रहे। वह साल 1980 में मुंबई से प्रकाशित फेमस अंग्रेजी साप्ताहिक 'इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया' और 'न्यू डेल्ही' के भी संपादक रहे।

जाति व्यवस्था के खिलाफ थे वह

साल 1983 तक खुशवंत सिंह ने दिल्ली के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक 'हिन्दुस्तान टाइम्स' का संपादन किया। उनके कॉलम का पाठक बेसब्री से इंतजार करते खे। एक व्यक्ति और लेखक के तौर पर वह जाति व्यवस्था के खिलाफ थे। उनकी रचनाएं राजनीतिक टिप्पणी और समकालीन व्यंग्य से लेकर सिख धार्मिक ग्रंथों और उर्दू कविता के उत्कृष्ट अनुवाद तक हैं।

इन तीनों चीजों से था बेहद प्यार

खुशवंत सिंह के बारे में एक बेहद खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी पड़ाव तक भी लिखना नहीं छोड़ा था। वह 99 साल की उम्र तक में भी सुबह 4 बजे उठकर लिखना पसंद करते थे। वह नेचर लवर थे और लिखने के लिए घंटों तक बगीचे में बैठते थे। उनको तीन चीजों से बेहद प्यार था, पहला दिल्ली, दूसरा लेखन और तीसरा खूबसूरत महिलाएं थीं।

मृत्यु

वहीं 20 मार्च 2014 को खुशवंत सिंह ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था।

आज का इतिहास

19 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1999 - भारतीय मूल के महेन्द्र चौधरी फिजी के प्रधानमंत्री नियुक्त, मैक्सिको में 'बाल्कान डिफ़्यूजो' नामक ज्वालामुखी सक्रिय।
2000 - फिजी में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री महेन्द्र चौधरी की सरकार को सात नाकाबपोश सशस्त्र व्यक्तियों द्वारा तख्तापलट।
2001 - इस्रायल का फ़िलिस्तीनी मुख्यालयों पर हवाई हमला, 15 घायल।
2002 - पूर्वी तिमोर चार सदियों की दासता के बाद नयी सहस्त्राब्दी के पहले नये राष्ट्र के रूप में विश्व मानचित्र पर उभरा।
2003 - जिबुती के राष्ट्रपति इस्माइल उमर गुलेह भारत की यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।
2006 - भारतीय मूल के मलेशियाई उद्योगपति टी. रविचन्द्रन ने माउंट एवरेस्ट को फ़तह किया।
2007 - अमेरिकी सीनेट में समग्र आव्रजन सुधार विधेयक पर सहमति।
2008 - परम्परावादी मराठी थियेटर के पुरोधा विजय तेंदुलकर का निधन। भारत व चीन के बीच नाथुला से व्यापार पुनः शुरू हुआ। विश्व श्रम संगठन के कार्यकारी अक्ष्यक्ष असाने ने नई दिल्ली में सामाजिक सुरक्षा पर सम्मेलन का उदघाटन किया। बैंक आफ़ बड़ौदा ने वर्ष 2007-08 में अपने शुद्ध लाभ में 39.9% की वृद्धि दर्ज की। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महाथिर मुहम्मद ने सत्तायुढ़ दल से अलग होने की घोषणा की। कैलाश मानसरोवर के लिए चीन ने भारतीय यात्रियों का दौरा स्थगित किया।

19 मई को जन्मे व्यक्ति

1999 - दीपक पुनिया - भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान हैं जो 86 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हैं।
1947 - टी.सी. योहानन - लम्बी कूद के भारतीय खिलाड़ी हैं।
1934 - पी. लीला - भारतीय तमिल सिनेमा की प्रसिद्ध पार्श्वगायिका थीं।
1913 - नीलम संजीव रेड्डी - भारत के राष्ट्रपति
1934 - रस्किन बॉण्ड - अंग्रेज़ी भाषा के प्रसिद्ध भारतीय लेखकों में से एक हैं।
1938 - गिरीश कर्नाड, कवि, रंगमंच कर्मी, कहानी लेखक, नाटककार, फ़िल्म निर्देशक और फ़िल्म अभिनेता।
1881 - कमाल अतातुर्क - आधुनिक तुर्की के निर्माता थे।
1824 - नाना साहब - सन 1857 के भारतीय स्वतन्त्रता के प्रथम संग्राम के शिल्पकार थे।

19 मई को हुए निधन

1997 - सोंभु मित्रा - फ़िल्म और रंगमंच अभिनेता, निर्देशक और नाटककार थे।
1996 - जानकी रामचन्द्रन - प्रसिद्ध तमिल अभिनेत्री तथा तमिलनाडु की भूतपूर्व मुख्यमंत्री।
1904 - जमशेद जी टाटा - टाटा समूह के संस्थापक
1979 - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी - हिन्दी के शीर्ष साहित्यकार

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विपरित परिस्थितियों में भी युवा सही कैरियर मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ते रहे

सफलता निश्चित रूप से आपके कदमो में होगी : सुधीर गिरि

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में बोर्ड परीक्षा के उत्तीर्ण एवं ग्रेजुऐशन युवाओ को आगे भविष्य के लिए सशक्त कैरियर विकल्प चुनने की शानदार निशुल्क कैरियर मार्गदर्शन योजना ''नयी दिशा-2025'' की शानदार शुभारम्भ हो गया। आगामी साठ दिनो तक चलने वाली इस शैक्षणिक परामर्श योजना के तहत देश के जाने-माने कैरियर विशेषज्ञ पश्चिमी यूपी के दसवीं/बारहवीं एवं ग्रेजुएशन युवाओ को विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी के साथ-साथ सिविल सर्विसेज, डिफेन्स सर्विसेज, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाओ समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी एवं चयन के लिए शैक्षणिक योग्यता समेत महत्वपूर्ण जानकारी निशुल्क प्रदान करेंगे।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के डॉ0 सी0वी0 रमन सभागार में आयोजित महत्वाकांक्षी निशुल्क कैरियर मार्गदर्शन योजना ''नयी दिशा-2025'' का शुभारम्भ संस्थापक अध्यश डॉ0 सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की अध्यश डॉ0 मधु चतुर्वेदी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

वेंक्टेश्वरा की निशुल्क कैरियर मार्गदर्शन योजना ''नयी दिशा-2025'' के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति विख्यात कैरियर कोच एवं राष्ट्रीय प्रेरकवक्ता डॉ0 राजीव त्यागी ने बताया कि साठ (60) दिनों तक चलने वाली इस शानदार निशुल्क कैरियर मार्गदर्शन योजना ''नयी दिशा'' से पश्चिमी यूपी विशेष रूप से मेरठ, मुरादाबाद मण्डल के दसवीं/बारहवीं एवं ग्रेजुएशन युवाओ को एक स्थायी सम्मानित एवं सशक्त कैरियर विकल्प चुनने मे मदद मिलेगी। देश भर के दो दर्जन से अधिक कैरियर विशेषज्ञ आने वाले साठ दिनो में युवाओ को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ में चयन के लिए आवश्यक योग्यता एवं तैयारी के लिए ''महत्वपूर्ण टिप्स'' निशुल्क प्रदान करेंगे। इस अवसर पर डीन एकेडेमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 लक्ष्मण सिंह रावत, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 योगेश्वर सिंह, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 टी0पी0 सिंह, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 ओमप्रकाश, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 अनिल जयसवाल, डॉ0 अश्विनी सक्सेना, डॉ0 सौरभ मित्रा, मारूफ चौधरी, मार्केटिंग निदेशक तरूण काम्बोज, अरूण गोस्वामी एवं मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, प्रीतपाल आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की जनपद के राजस्व न्यायालयों के पेशकारों के साथ वैठक

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: शनिवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनपद के तहसील और कलेक्ट्रेट के राजस्व न्यायालयों में कार्यरत पेशकारों के साथ वैठक कर समीक्षा की गई। राजस्व न्यायलय में पेशकारों के कार्यों से असंतुष्ट जिला अधिकारी ने नाराज़गी व्यक्त कर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जिला अधिकारी ने संबंधित पीठासीन अधिकारियों का स्पष्टीकरण कॉल करने के निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व न्यायालय में कंप्यूटरीकृत प्रणाली पर वाद कार्यवाही अनियमित एवं स्वेच्छा से अंकित की गई है। कहा कि न्यायालय में निर्देश दिए जाने के बावजूद भी आपके द्वारा तिथि अद्यावधिक नहीं की जा रही रही है दायित्व के निर्वहन में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। कहा कि आपसबके द्वारा न्यायिक कार्य को प्रभावित कर वादों के निस्तारण में विलंब किया जा रहा है यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी सहित अन्य अधिकारी और राजस्व न्यायालय से सम्बंधित पेशकार मौजूद रहे।

जुबिलेंट रॉयल वन की टीम ने जुबिलेंट वॉरियर को सात विकेट से दी शिकस्त

गजरौला में जुबिलेंट प्रीमियर लीग-2025 का चल रहा है आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला: जुबिलेंट प्रीमियर लीग-2025 में जुबिलेंट रॉयल वन की टीम ने जुबिलेंट वॉरियर की टीम को सात विकेट से पराजित कर मैच जीत लिया। विजेता टीम के खिलाड़ी विकास को मैन ऑफ दि मैच की ट्राफी दी गई।

रविवार की सुबह साढ़े आठ बजे सादुल्लापुर मार्ग पर स्थित जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी के खेल मैदान में जेपीएल-2025 में जुबिलेंट रॉयल वन और जुबिलेंट वॉरियर की टीमें मैदान में उतरीं। टॉस हारने के बावजूद जुबिलेंट वॉरियर की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। यह टीम निर्धारित 15 ओवरों में नौ विकेट गंवाकर 102 रनों पर ही सिमट गई। इस टीम के खिलाड़ी अरुण कुशवाह ने सर्वाधिक 27 एवं अमनदीप ने 22 रन बनाए। जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी जुबिलेंट रॉयल वन की टीम के खिलाड़ी अपनी कुशल बल्लेबाजी की बदौलत आते ही मैदान में छा गए। इस टीम ने महज 12.05 ओवर में 105 रन बना लिए। हालांकि इस टीम के तीन खिलाड़ी आउट हो गए लेकिन टीम ने सात विकेट से जुबिलेंट वॉरियर की टीम को हराकर विजयश्री हासिल कर ली। इस टीम ने ऋतिक विश्नोई ने सर्वाधिक 29 रनों का स्कोर खड़ा किया। राजू ने 28 रनों का योगदान दिया। विकास ने 16 रन बनाकर दूसरी टीम के चार विकेट चटकाए। उन्हें बिजनौर से आए वरिष्ठ खिलाड़ी विपिन चौहान ने मैन ऑफ दि मैच की ट्राफी प्रदान की। मैच के एंपायर विष्णु राणा एवं सुमित तथा स्कोरर सनी प्रताप सिंह रहे। इसस पूर्व जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में साइड हेड विनोद झा एवं निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर जुबिलेंट में सुरक्षा एवं प्रशासन विभाग के प्रमुख सतेंद्र कुमार चौधरी के साथ ही मैदान एवं मैच प्रबंधन समिति के सुनील तिवारी, रविंद्र देवल, पंकज चौधरी, संजय सिंह, राजीव त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।.जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए इस तरह के आयोजन करती रहती है।

द आर्यंस के बच्चों ने पूल पार्टी में की जमकर मस्ती

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जनपद के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यंस जोया में शनिवार को पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें किंडर गार्टन अनुभाग से एलकेजी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए स्वीमिंग में ढ़ोल जगी रोदा एवं पानी वाला डांस जैसे गानों पर नृत्य करते हुए जमकर मस्ती की व धमाल मचाया। इस दौरान बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया तथा उन्हें स्नैक्स आदि भी वितरित किए गए। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह व निदेशक अमन लिट्ट ने बच्चों के साथ इन क्षणों का भरपूर आनंद लिया और उन्होंने तैराकी को बच्चों के लिए एक ऐसा योगाभ्यास बताया जिससे बच्चे ऊर्जावान रहते हैं। विद्यालय प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह तथा अनिल कुमार सिंह ने आज के वातावरण में स्वस्थ रहने व मनोरंजन के लिए आवश्यक क्रिया बताते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम के संचालन में चांदनी बत्रा, शालिनी शर्मा, रुकैया, साक्षी व शिवानी सिद्धू ने सहयोग किया। इस अवसर पर चांदनी बत्रा, शगुफ्ता हामिद, प्रगति टंडन, विनीत कुमार शर्मा, सरिता, सुचित्रा, संतोष कुमार, अखिल गिरि, रिया आदि उपस्थित रहे।

भा.कि.यू. चौधरी करतार सिंह गुट के कार्यकर्ताओं ने किया बैठक का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: भारतीय किसान यूनियन चौधरी करतार सिंह गुटके कार्यकर्ताओं की एक बैठक संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी जय सुखलाल सिंह के आवास पर की गई। इस बैठक में किसानो की समस्याओं व संगठन विस्तार पर चर्चा की गई। संगठन विस्तार के लिए इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महावीर सिंह द्वारा कुछ कार्यकर्ताओं को अन्य जनपदों की अन्य जनपदों के लिए बैठक मे संगठन विस्तार के लिए प्रभारी बनाया गया है। जिसमें जनपद संभल बुलंदशहर की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष चेतन सिंह को सौंपी गई है। जनपद मुरादाबाद व रामपुर की जिम्मेदारी जिला उपाध्यक्ष राहुल चौधरी को सौपी गई है। हापुड, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा जिलों का प्रभारी जनपद अमरोहा के जिला अध्यक्ष जय सुखलाल सिंह व युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी जगदीश सिंह को सौंपी गई है। जनपद बिजनौर के लिए राष्ट्रीय सचिव रणवीर सिंह को संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सोपी गई है। जिला अध्यक्ष जय सुखलाल ने कहा कि जहां तक किसानों की समस्याओं का सवाल है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। आवारा पशु किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जल निगम द्वारा तोड़ी गई सड़के अभी तक ठीक नहीं कराई गई है। इनका तत्काल समाधान कराया जाए। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी जगदीश सिंह ने कहा कि गांव गांव नालियां टूटी पड़ी है गंदगी के अंबार लगे हैं। तालाब अधिकतर गांवों में ओवर हैं। इस समस्या का भी समाधान तत्काल कराया जाए। यदि सभी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन चौधरी करतार सिंह के कार्यकर्ता आंदोलन को बाध्य होंगे। आज की बैठक मैं भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे। विनीत कुमार जिला महासचिव संजीव सिंह ब्लॉक अध्यक्ष गजरौला सुखेंद्र सिंह युवा ब्लॉक अध्यक्ष जय जगदीश सिंह ओम प्रकाश सिंह ग्राम अध्यक्ष चांद नगर तो भाई अधिकारी ओम प्रकाश सिंह भागेंद्र सिंह वीरेंद्र सिंह मेरा राम सिंह हुकम सिंह गोलू आदि मौजूद रहे।

जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई/संभल: जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में तहसील सम्भल सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सुना गया एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। शनिवार को तहसील सम्भल में कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमे 11 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शेष के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तथा प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी संभल वंदना मिश्रा, सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्भल नगरपालिका क्षेत्र में स्थित चंदौसी चौराहे का किया गया निरीक्षण

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई/सम्भल: शनिवार को जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई द्वारा सम्भल नगरपालिका क्षेत्र में स्थित चंदौसी चौराहे का निरीक्षण किया गया।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल को चौराहे के सौन्दर्यीकरण तथा चौराहे पर पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा लगवाने तथा चौराहे के पास अतिक्रमण को हटवाने के निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा शंकर चौराहे सम्भल का निरीक्षण किया गया तथा चौराहे के सौन्दर्यीकरण एवं चौराहे पर भगवान परशुराम की प्रतिमा लगवाने के निर्देश दिए तथा इसके उपरांत यमघण्ट तीर्थ का निरीक्षण किया, तीर्थ स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा यहाँ पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी निर्देशित किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सदभावना पार्क (मनोकामना पार्क) का निरीक्षण किया तथा पार्क के सौन्दर्यीकरण एवं माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा लगवाने के निर्देश दिए तथा विद्युत तारों के शिफ्टिंग को लेकर भी संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत प्राचीन चतुर्मुख कूप का निरीक्षण किया तथा पास की भूमि पर चहारदीवारी तैयार कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल वंदना मिश्रा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंपलेट वितरित कर स्कूल वाहन चालकों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

» सब का सपना संवाददाता

संभल: पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात के नेतृत्व में डिजिटल रोड सेफ्टी अभियान ₹परवाह₹ के अंतर्गत ए. एम. वर्ल्ड स्कूल चंदौसी में मुख्य आरक्षी सोनू अहलावत,मुख्य आरक्षी विशांत चौधरी एवं मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र ने स्कूली बच्चों को ले जाने वाली बसों के चालक एवं परिचालकों को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया। कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए आप सब जिम्मेदार हैं चलती बस में ना तो बच्चों को उतारे और ना बच्चों को चढ़ाए, बसों में इस्तेमाल होने वाली मेडिकल किट को समय-समय पर अवश्य चेक करें ,दुरुस्त रखें। गति सीमा को बनाए रखें, ध्यान रखें कि बच्चे बस में से हाथ और सिर बाहर ना निकाले, यह स्कूली बच्चे भारत का भविष्य है उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दें, हाईवे पर बने संकेतक ,चेतावनी आदि को नजरअंदाज ना करें उसी के अनुसार अपने वाहन को चलाएं। आपकी जरा सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना को कारित कर सकती है, यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित रहें। यातायात नियमों एवं सड़क चिन्हों संबंधी पंपलेट वितरित किए गए।

क्रीड़ा भारती द्वारा जूनियर ग्रुप खेल प्रतियोगिता का आयोजन

लूडो में वैष्णवी ने और घनश्याम ने केरम मे मारी बाजी

» सब का सपना संवाददाता

पिलखुवा/हापुड: क्रीड़ा भारती द्वारा मोहल्ला मंडी स्थित परिषदीय विद्यालय नंबर 1 मे जूनियर ग्रुप कैरम और लूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लूडो और कैरम प्रतियोगिता में नगर क्षेत्र के चार विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कैरम प्रतियोगिता में घनश्याम ने जीत हासिल की। लूडो प्रतियोगिता में वैष्णवी विजेता रही। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि नगर क्षेत्र के चार परिषदीय विद्यालयों के वैष्णवी, कौशिक, आदेश, हेमंत, कैफ, घनश्याम, दीपक, आदि छात्र छात्रों के बीच जोड़ी बनाकर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वैष्णवी लूडो में कौशिक को हराकर विजेता बनी। कैरम में घनश्याम ने हेमंत को हराकर विजय हासिल की। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक सुधीर गोयल ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। वरुण शर्मा सभासद ने कहा कि क्रीड़ा भारती द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज शर्मा ने संस्था द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने पर आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सुधीर गोयल ,सुरभि, शालिनी अग्रवाल, नीलम गर्ग, वरुण शर्मा ,राजेंद्र सिंह राठी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर हिमांशी, मनीष कुमार, पंकज कुमार शर्मा रीना रानी ,जतिन सिंह आदि उपस्थित रहे।

गाटर पटिया डाल रहा मजदूर छत से गिरकर हुआ घायल

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई/संभल: गाटर पटिया डाल रहा मजदूर छत से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार घटना शनिवार सुबह लगभग 11 बजे की है गांव शमशोई थाना बहजोई जनपद संभल निवासी मुनेश पुत्र रामपाल (40) अपने गांव शमसोई रामप्रसाद के मकान पर मजदूरी का काम करने के लिए गया था। रामप्रसाद के मकान पर गाटर पटिया छत पर डालने का काम किया जा रहा था। तभी अचानक किसी प्रकार से मुनेश छत से गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया। मुनेश की चीख पुकार सुनकर मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई सूचना पाकर कुछ देर बाद एम्बुलेंस भी मौके पर पहुंच गई एम्बुलेंस की मदद से मजदूर को सरकारी अस्पताल बहजोई ले जाया गया। जिसके बाद चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया। बताया जाता है कि चिकित्सकों मजदूर की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल को रेफर कर दिया। लेकिन समाचार लिखे जाने तक चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि परिजन उसे किसी निजी अस्पताल को लेकर चले गए है।

सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग में छह परिवारों को फिर से मिलाया गया

» सब का सपना संवाददाता

बहजोई/संभल: पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग शनिवार सुबह 10:30 बजे पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में संपन्न हुई।

जहां पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। जहां कुल 69 पत्रावलियों को सुनकर 20 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया। जिसमें से 5 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई एवं 6 परिवारों को मिलाया गया तथा 9 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने एवं अन्य कारणों से बंद की गई।

इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधि परामर्दता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट तथा काउंसलर कंचन महेश्वरी बबीता शर्मा श्वेता गुप्ता सीमा आर्य तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

सिंह साहब होम्योपैथिक मे किया जाएगा निःशुल्क छः दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: रजत सिंह खालसा वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में सिंह साहब होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल गुलड़िया, अमरोहा में छह दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 19 से 24 मई 2025 तक किया जाएगा। रजत सिंह खालसा वेलफेयर ट्रस्ट अमरोहा की अध्यक्ष नीरज कौर ने बताया कि छह दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ 19 मई को सुबह 9 बजे किया जाएगा। इस शिविर में सोमवार को ग्राम धावड़ी, जलालपुर, काकरखेड़ा, मंगलवार को पीपली दाऊद, शेरगढ़, कालाखेड़ा, सदरपुर, बुधवार को गुलड़िया, बागड़पुर, धकतोड़ा, बृहस्पतिवार को सलारपुर, देवीपुरा, खालकपुर, शुक्रवार को चांदनगर, पीरगढ़, पटटी, शनिवार को अमनीपुर,वारसपुर, पृथ्वीपुर के रोगियों का उपचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस गांव के लिए जो दिन निश्चित किया गया है उसी दिन आने पर रोगियों को निशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ मिलेगा। जरूरत होने पर रोगियों को अस्पताल में भर्ती करने का सुविधा (आईपीडी) भी निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। इसमें डाक्टर की फीस, वार्ड का चार्ज नहीं लिया जाएगा।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने देश के वरिष्ठ पत्रकार के विक्रम राव को दी श्रद्धांजलि

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय डॉ. के विक्रम राव को यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की तरफ से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रविवार को यूपी में वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिला सचिव शाहबेज अंसारी के निवास पर विक्रम राव को श्रद्धांजलि देने के लिए यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की तरफ से एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय मजदूर सभा यूपी रोडवेज कर्मचारी संघ विभिन्न अखबारों के प्रतिनिधि व यूनियन के पदाधिकारी शामिल हुए और डॉ के. विक्रम राव को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वही पत्रकार आशीष अरोड़ा उर्फ सोनू की माता राजेश कुमारी जी को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। सभा में विभिन्न पत्रकारों और मजदूर संगठनों के नेताओं ने उन्हें स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट के मंडल अध्यक्ष व इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के नेशनल कन्वीनर मुहम्मद जान तुर्की ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि राव साहब ने कभी चुनौतियों के आगे झुकना नहीं सीखा वह समस्याओं के खिलाफ लड़ते थे। राव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राव टाइम ऑफ इंडिया के नौ प्रदेशों में ब्यूरो प्रमुख रहे। उन्होंने वॉइस ऑफ अमरीका के दक्षिण एशिया ब्यूरो में भी 15 वर्षों तक काम किया और कई पुस्तकें भी लिखी।

वह भारतीय प्रेस कॉउंसिल के छह वर्ष तक सदस्य रहे। आपातकाल में तेरह माह तक देश की पांच जेलों में रहे। उन्होंने सभी 6 महाद्वीपों के 51 देशों में आयोजित विभिन्न गोष्ठियों में भाग लिया। उनके नेतृत्व में 1145 आंचलिक पत्रकारों ने विभिन्न देशों में पत्रकारिता का प्रशिक्षण लिया और गोष्ठियों में प्रतिनिधित्व किया। इनमें उत्तर प्रदेश के 92 पत्रकार शामिल है। भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्रीय मंत्री अरुण कुमार ने के विक्रम राव के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि आज के विक्रम राव जैसे व्यक्तित्व के धनी पत्रकारों की कमी हो गई है।इसकी भरपाई करना मुश्किल है।यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के जिला अध्यक्ष रईस शेख ने कहा कि हमने पत्रकारिता जगत का एक ऐसा स्तंभ को दिया जिसे पूरा तो नहीं किया जा सकता लेकिन उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रमोद पथिक अनिल गर्ग, मुर्तुजा इकबाल,नसरुद्दीन पाशा एडवोकेट रामेन्द्र कुमार गुप्ता, अलीम मिर्जा,मोहम्मद नासिर तुर्की, भूरे अली सैफी, मोहम्मद परवेज खान, नाजिम मंसूरी,मोहसिन अली खान, शाहनवाज नकवी, अब्दुल रहीम,मोहम्मद शाहिद, ध्रुव नकी अहमद ,शारिक अंसारी, शाहरुख हुसैन, मेराज आलम, नफीस अहमद , शाहनवाज नक़वी,अब्दुल रहीम, नूर फातिमा, मोहम्मद जफर, रफीक अहमद, नजाकत ,सरफराज आलम, शाहिद हुसैन, ज़ाकिर हुसैन सहित भारी संख्या में पत्रकार मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन तमीम अहमद ने और आभार मोहम्मद शाहवेज अंसारी ने किया।

सेल्फी प्वाइंट स्थापित कर लोगों को किया जागरूक

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत दुर्घटना से सुरक्षा के संबंध में थाना मूंढापाण्डे पुलिस द्वारा सेल्फी पॉइन्ट बनाकर लोगो को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया तथा सड़क सुरक्षा प्रचार प्रसार हेतु सभी से अपने आस-पास के लोगों को भी जागरूक करने हेतु अपील की गयी।

साथ ही दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, सीट बेल्ट हर किसी के लिए ज़रूरी है, बच्चों के लिए भी, सुनिश्चित करें कि जब भी आप सड़क पर निकलें तो आपके छोटे बच्चे सुरक्षित रूप से सीट बेल्ट लगाए हुए हों। उनकी सुरक्षा आपकी ज़िम्मेदारी है। सेल्फी प्वाइंट स्थापित कर आम जनमानस को जागरूक किया।

संक्षिप्त समाचार

शांति व्यवस्था भंग करने में व्यक्तियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा 19 व्यक्तियों को संज्ञेय अपराध कारित करने से रोकने एवं परिशान्ति कायम रखने हेतु हिरासत में लेकर न्यायालय भेजा गया।

थाना कटघर 05, थाना काँठ 01, थाना मुगलपुरा 01, गलशहीद 01, थाना सिविल लाईन्स 04,थाना मझोला 02, थाना भोजपुर 02, थाना बिलारी 02, कुन्दरकी एक को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

अवैध चरस के साथ पुलिस ने किया एक को गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध एंव अपराधियो पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने तथा अवैध मादक पदार्थो के निर्माण,तस्करी व संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत शनिवार की रात्रि में थाना मूढ़ापाण्डें पुलिस द्वारा अभियुक्त कासिम पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम सीकमपुर पाण्डे थाना मूढापाण्डें जनपद मुरादाबाद को 01 किलो 100 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में थाना मूढ़ापाण्डें पर अभियुक्त कासिम उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया।पुलिस ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराकर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बालक के साथ युवक ने किया कुकर्म, मुकदमा दर्ज

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। थाना क्षेत्र में घर के बाहर खेल रहे बालक को पड़ोसी युवक बहला फुसलाकर जंगल में ले गया।उसके साथ कुकर्म किया। बालक की हालत खराब होने पर जंगल में छोड़कर भाग गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बालक को चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में गांव देवीपुरा निवासी ग्रामीण रिंकू पुत्र धर्म सिंह ने कहा है कि शनिवार की शाम को साढ़े पांच बजे छह वर्ष का बेटा घर के बाहर खेल रहा था।

पड़ोसी फिरोज पुत्र मौ शाकिर उसे बहला फुसलाकर निर्माणधीन नेशनल हाईवे पर ले गया।आरोपी ने उसके साथ कुकर्म किया और घर बताने पर जान से मारने की धमकी देकर घायलावस्था में घटना स्थल पर छोड़ आया।

खेत से काम करके घर को लौट रहे गांव के शिवा पुत्र ओमपाल ने बालक को अकेला देखा तो वह उसके पास गया।बालक के मल त्याग से खून बह रहा था।

ग्रामीण का कहना है कि आरोपी के घर जाकर उसके पिता मौ शाकिर और माता हासरून से शिकायत की तो उन्होंने कहा तुम्हारा बेटा ही तो है कोई बात नहीं है कहकर टाल दिया।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर घायल बालक को चिकित्सीय परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया।पुलिस गिरफ्तारी के लिए दबिश डाल रही है।

शिक्षण संस्थान में चोरी करने के चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

बिलारी। वादी सुनील कुमार पुत्र फकीरचन्द निवासी ग्राम हरौरा थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद ने अज्ञात चोरो द्वारा चौ0 चरण सिंह स्मारक एवं शिक्षण संस्थान की पिछली दीवार में कूमल लगाकर एक पांच के0वी0 का जनरेटर एवं लगभग छह कुन्टल लोहा चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना बिलारी पर तहरीर दी, तहरीर के आधार पर थाना बिलारी पर मुकदमा बनाम अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में रविवार को थाना बिलारी पुलिस द्वारा अभियुक्तगण बब्लू पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम मुडिया भीकम थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद, सुबहान पुत्र इरशाद निवासी सहवाजपुरा थाना नखासा जनपद सम्भल,सादिक पुत्र आसिम निवासी मौ0 दीपा सराय थाना नखासा जनपद सम्भल,अयान उर्फ मशरुफ पुत्र मंजूर निवासी रुकन्दी सराय थाना नखासा जनपद सम्भल को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तगण के कब्जे से मुकदमा उपरोक्त से संबंधित चोरी एक 05 केवी जनरेटर व घटना में प्रयुक्त एक ई-रिक्शा व अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

ठाकुरद्वारा पुलिस ने रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड लगाकर लोगों को किया जागरूक

सब का सपना संवाददाता

ठाकुरद्वारा। मिशन सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत ठाकुरद्वारा पुलिस द्वारा स्टेट हाईवे नैनीताल मार्ग पर रविवार को रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे मिशन सड़क सुरक्षा अभियान के तहत दुर्घटना से सुरक्षा के संबंध में थाना ठाकुरद्वारा पुलिस द्वारा लोगो को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक कर,पैम्फलेट वितरित किये तथा थाना क्षेत्रांतर्गत दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र में यातायात जागरूकता साइन बोर्ड व मुख्य मार्गों ,पेड़ों,पोल पर सड़क से सुरक्षा हेतु रिफ्लेक्टिव टेप लगाये गये। मिशन रोड सेफ्टी अभियान के अन्तर्गत थाना ठाकुरद्वारा पुलिस द्वारा आगे तीव्र मोड हैं कृपया धीरे चलें, संकेतक बोर्ड लगाये गये। सीट बेल्ट हर किसी के लिए ज़रूरी है, बच्चों के लिए भी, सुनिश्चित करें कि जब भी आप सड़क पर निकलें तो आपके छोटे बच्चे सुरक्षित रूप से सीट बेल्ट लगाए हुए हों। उनकी सुरक्षा आपकी ज़िम्मेदारी है।

पेंशन वितरण एंव निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगी खत्री सभा

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। शहर में स्थित खत्री सभा रजिस्टर्ड के पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक चौराहा गली स्थित प्रदीपांजली खत्री भवन में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता श्याम खन्ना ने व संचालन महासचिव कमल अरोरा ने किया।जिसमें समाजहित में अनेकों महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श कर निर्णय लिये गए, जिसमें अंतिम शव वाहन से हुई दुर्घटना में कोर्ट में चल रहे मुकदमे में कोर्ट द्वारा दी गई 27 मई की तारीख से पूर्व ही 22 मई को अमरोहा जाकर समस्त कागजी कार्यवाही पूर्ण कर उक्त वाहन को कोर्ट से अध्यक्ष श्याम खन्ना की सपुर्दगी में लिया जाएगा। भविष्य में उसका संचालन मुरादाबाद महानगर की सीमा में ही सर्वसमाज हेतु जन हितार्थ चलाने का भी निर्णय लिया गया। खत्री सभा के अध्यक्ष श्याम खन्ना ने कहा कि मातृ शक्ति को स्वावलंबी बनाने हेतु खत्री महिला लघु कुटीर उद्योग के द्वारा निर्मित आचार,आलू पापड़,कचरी, एवं नमकीन आदि सामान की प्रदर्शनी लगाकर उक्त सामान को बिक्री के लिये 20 मई को रखा जाएगा। खत्री महिला कल्याण आजीवन मासिक पेंशन योजना के अंतर्गत 1250 रुपये की मासिक पेंशन दस लाभर्थियों के स्थान पर इस माह में पात्र बारह महिलाओं को 27 मई मंगलवार को वितरण किया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि आगामी 28 मई बुधवार को विश्व महिला स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में समाज हितार्थ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। जिसमें महानगर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एम पी सिंह व डॉ रजनी सिंह स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित करेंगे।उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर कोई भी स्वजातीय बन्धु यदि सम्पूर्ण भारत मे किसी भी तीर्थ स्थान जाना चाहता है तो वह खत्री सभा के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क स्थापित कर सकता है। जिसमें उसको आने-जाने का किराया व खाने-रहने का समस्त खर्चा खत्री सभा मुरादाबाद द्वारा वहन किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष श्याम खन्ना,उपाध्यक्ष रवि मेहरोत्रा, दिनेश कपूर,महासचिव कमल अरोरा,कोषाध्यक्ष दीपक कपूर,सह सचिव पंकज टंडन,शरद कपूर,राजीव अरोरा आदि उपस्थित रहे।

अवैध चरस के साथ एक गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

भगतपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध एंव अपराधियो पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने तथा अवैध मादक पदार्थो के निर्माण, तस्करी व संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत रविवार को थाना भगतपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त मौ0 वसीम पुत्र अय्युव निवासी ग्राम मिलक मैनी थाना मूढापाण्डें जनपद मुरादाबाद को 01 किलो 50 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

इस संबंध में थाना भगतपुर पर अभियुक्त मौ0 वसीम उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराकर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अवैध तमंचा संग अंग्रेजी शराब का फोटो सोशल साइट्स पर वायरल करने पर पुलिस लिया संज्ञान

सब का सपना संवाददाता

भोजपुर। पुलिस के खौफ से बेखौफ युवकों ने दबंगई दिखाने के लिए अवैध तमंचा ,चिकन फ्राइ, कोल्डड्रिंक, अंग्रेजी शराब के साथ डिस्पोजल गिलास एकसाथ रखकर फोटो खिंचकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस वायरल फोटो की तहकीकात कर रही है। शनिवार को युवक ने अपनी फेसबुक आईडी पर देशी तमंचा, अंग्रेजी शराब की दो बोतलें, कोल्डड्रिंक, बिसलेरी का पानी,चिकन फ्राइ के साथ छह-सात डिस्पोजल गिलासों में शराब भरकर फोटो खिंचकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।तमंचे शराब के साथ फोटो वायरल होना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। कुछ लोगों ने इसे दबंगई की इंतहा कहा तो कुछ लोगों ने इसे पुलिस का गिरता इकबाल कहा। लोगों का कहना है कि युवक अपनी दबंगई दिखाने के लिए यह भी भूल गए की सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस स्वत संज्ञान लेकर कानुनी शिकंजा कस सकती

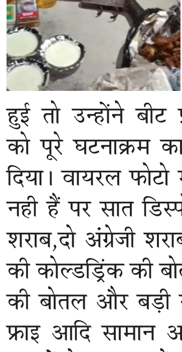

है। प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को सोशल मीडिया पर तमंचे शराब का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने की जानकारी हुई तो उन्होंने बीट प्रभारी और आरक्षियों को पूरे घटनाक्रम का पता लगाने में लगा दिया। वायरल फोटो में युवकों के फोटो तो नही हैं पर सात डिस्पोजल गिलासों में भरी शराब,दो अंग्रेजी शराब की बोतलें,दो लीटर की कोल्डड्रिंक की बोतल,दो लीटर बिसलेरी की बोतल और बड़ी संख्या में रखी चिकन फ्राइ आदि सामान आधा दर्जन से अधिक युवकों के वारदात में शामिल होने का संकेत दे रहा है। फिलहाल बीट प्रभारी बृजपाल सिंह आरक्षियों के साथ ही मुखबिरों का जाल बिछाकर फोटो वायरल करने वाले युवकों को चिंहित करने में जुटे हैं। पुलिस दबंगों पर कानूनी शिकंजा कसती है या नहीं यह भविष्य में ही पता चलेगा।

दसवीं के छात्र ने सर्वाधिक 93.6% प्रतिशत अंक हासिल करने पर, बसपाइयों ने दी बधाई

सब का सपना संवाददाता

रामपुर। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ग्राम अफजलपुर पट्टी के समाजसेवी जसवीर सिंह रवि के पुत्र आर्यांश कुमार गौरव ने व्हाइट हॉल पब्लिक स्कूल सीबीएससी बोर्ड के क्लास दसवीं में 93 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बसपा प्रतिनिधि मंडल ने उनके आवास पर पहुंचकर परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का चित्र भेंटकर उज्वल भविष्य की कामना की और बच्चें का मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश बौद्ध, राजीव अंबेडकर ज़िला कार्यकारणी सदस्य, निवर्तमान जिला संयोजक भीम प्रिय गौतम, दिनेश बाबू, एड. मकदूम अली, राजेश कुमार, गोपाल सिंह, प्रेमपाल सिंह, राजेश कुमार सागर, एसवीर सिंह विधानसभा प्रभारी आदि मौजूद रहे।

मूडीज ने घटाई अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग, कर्ज और महंगाई से बढ़ी आम जनता की चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका की रेटिंग एएए से घटाकर ,1 कर दी है। 1917 के बाद यह पहली बार हुआ है जब मूडीज ने अमेरिका को उसके 'परफेक्ट क्रेडिट स्कोर' से वंचित किया है। इससे संकेत मिलता है कि अब अमेरिका का कर्ज पहले जितना सुरक्षित नहीं माना जा रहा।

यह फैसला फिच (2023) और S&P (2011) की पहले की गई रेटिंग कटौती के बाद आया है। अब तीनों बड़ी रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एएए से नीचे रेट किया है।

मूडीज के मुताबिक, अमेरिका का बढ़ता कर्ज और उस पर ब्याज अब गंभीर चिंता का विषय है। अमेरिका का वित्तीय बोझ समान रेटिंग वाले अन्य देशों से कहीं ज्यादा हो गया है। भविष्य में उधारी की बढ़ती जरूरत अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक दबाव बनाए रखेगी। हालांकि मूडीज ने अमेरिका के लिए स्थिर आउटलुक बरकरार रखा है लेकिन फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता पर पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों से यह स्थिरता खतरे में भी पड़ सकती है।

रेटिंग गिरने के बाद अमेरिका में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कुश देसाई ने इसके लिए बाइडन प्रशासन की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी अमेरिका को फिर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वन बिग ब्यूटीफुल बिल÷ ला रही है। इस बिल में सरकारी खर्चों में कटौती, अनावश्यक योजनाओं को खत्म करने और बर्बादी रोकने की योजना है।

एलन मस्क के नेतृत्व वाले डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी ने सरकारी खर्चों को घटाने के लिए हजारों कर्मचारियों की छंटनी की है और USAID जैसी संस्थाओं के बजट में कटौती की गई है।

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के टैक्स कट और सोशल स्कीम में कटौती जैसे प्रस्ताव लंबे समय में अमेरिका के कर्ज को 3.3 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा सकते हैं।

अब शेयर बाजार में उतरेंगे ग्रामीण बैंक, बड़ी योजना का तैयारी में केंद्र सरकार

बिजनेस डेस्क। सरकार अब क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में निवेशकों और आम जनता के भरोसे को मजबूत करने के लिए उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य इन बैंकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और निवेश योग्य बनाना है। केंद्र सरकार चाहती है कि वर्ष 2027 तक कम से कम पांच आरआरबी को शेयर बाजार में लिस्ट कराया जाए। ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने के लिए सरकार पहले ही One State, One RRB नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत देशभर के कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का आपस में विलय किया गया है। इस प्रक्रिया के बाद आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 रह गई है। नवीनतम विलय 1 मई 2025 से प्रभाव में आया, जिसके बाद अब 29 आरआरबी, भारत के 26 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में काम कर रहे हैं। ये बैंक अब देशभर में 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 700 जिलों में ग्रामीण जनता को सेवाएं दे रहे हैं।

सरकार का उद्देश्य है कि ये बैंक सिर्फ ग्रामीण स्तर पर ही सेवाएं न दें, बल्कि पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय संस्थान के रूप में विकसित होकर आम निवेशकों के लिए भी आकर्षक बनें।

कुछ अमेरिकी गिद्ध ऋणदाताओं के लालच से बर्बाद हुआ शिक्षा मिशन,100 करोड़ का लोन लेना बड़ी गलती :बायजू रवींद्रन

दुबई, एजेंसी। बायजू रवींद्रन ने कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं।

भारत की एक समय की मशहूर एडटेक दिग्गज कंपनी बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने पहली बार कंपनी के तेजी से उत्थान और पतन के बारे में खुलकर बात की है। इसे वह भारत के लिए एक खोया हुआ अवसर कहते हैं। उनका सपना दस लाख शिक्षण नौकरियां पैदा करने का था, लेकिन यह मिशन अमेरिका में कुछ गिद्ध ऋणदाताओं के लालच के कारण पटरी से उतर गया।

रवींद्रन ने एक समाचार एजेंसी के साथ मुलाकात में कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं। एक समय 22 अरब डॉलर के मूल्य वाली बायजूस को वित्तीय समस्याओं, विनियामक मुद्दों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा है। इस कारण रवींद्रन बायजू इस समय दुबई में बस गए हैं। उन्होंने रणनीतिक चूक को स्वीकार किया और मजबूत इक्विटी विकल्पों के बावजूद 100 करोड़ रुपये का टर्म लोन लेने के कंपनी के विकल्प ने अंततः कंपनी को आक्रामक बाहरी दबावों के सामने उजागर कर दिया।

हम जल्दी लौटेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे- रवींद्रन ने कहा, मैं हार नहीं मान रहा हूं। जैसे ही हम नियंत्रण में आएंगे और नियंत्रण 100 प्रतिशत मेरे पास होगा, हम पुनर्निर्माण करेंगे। बायजू 3.0 हमारा मिशन है। मैं यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि वह क्या होगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे फिर से उसी मिशन पर बनाया जाएगा, जो छात्रों में सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। बायजू की सह-संस्थापक और बायजू रवींद्रन की पत्नी दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, हम बाहर नहीं जाते। हम पार्टी नहीं करते। हम नेटवर्क नहीं बनाते। सब झूठ है। हमारे पास कोई लग्जरी कार या घर नहीं है। जब हालात खराब हो गए, तो जो लोग मायने रखते थे, वे हमारे साथ रहे। हमारा दायरा नहीं बदला। जब हम इतने ऊपर पहुंच गए, तब भी इसने हमें जमीन से जुड़ा रखा।

तीन-चार निवेशकों ने कंपनी को हथियाने की कोशिश की

बायजू ने कहा, मैं अपने सभी निवेशकों को दोष नहीं दे रहा हूं। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हर संभव नुकसान उठाने की कोशिश करता हूं, लेकिन कुछ सड़े हुए लोग भी हैं। यह सिर्फ तीन या चार निवेशक हैं, जिन्होंने कुछ ऋणदाताओं के साथ मिलकर कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की है।

कुछ गलतियां हमने भी कीं

रवींद्रन ने कहा, जब हमने भारत से पूरी दुनिया में विस्तार करने की कोशिश की, तो हमने कुछ व्यावसायिक गलतियां कीं। शायद हम इसे थोड़ा धीरे कर सकते थे। हम बहुत जल्दी, बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। हम भारत से 21 नए देशों में चले गए। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, 2019 से 2021 के संदर्भ में, कोविड युग में, हमारे पास 160 विश्व स्तरीय निवेशक और इक्विटी निवेशक हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी झटकों के कारण निवेशकों द्वारा वादे गलत हुए, इससे योजनाएं प्रभावित हुईं।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड सेफ्टी नेट के साथ निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के बाजार में, जहां अनिश्चितता ही एकमात्र स्थिरता है, इस सोच ने नए सिरे से इन्वेस्टिंग के तरीकों को बदला है। क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड उन कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्होंने बाजार में अपनी जगह बनाई है। ये वित्तीय रूप से मजबूत होते हैं, लगातार मुनाफा देते हैं, साफ-सुथरा इनका कॉर्पोरेट गवर्नेंस होता है, साथ ही अनुभवी नेतृत्व होता है।

क्वालिटी इन्वेस्टिंग में निरंतरता का मतलब ग्रोथ का त्याग नहीं है। इसके विपरीत, क्वालिटी कंपनियां आम तौर पर सस्टेनेबल अर्निंग देती हैं और कैपिटल को बेहतर तरीके से इन्वेस्ट करती हैं। हालांकि, ये रातोंरात लाभ नहीं दे सकती हैं, लेकिन ये समय के साथ वैल्यू को लगातार बढ़ाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्वालिटी इन्वेस्टिंग लॉन्ग-टर्म रिटर्न को बनाए रखने के लिए उचित कीमत पर खरीदारी पर भी जोर देती है।

क्वालिटी वाले म्यूचुअल फंड की एक प्रमुख ताकत फ्लेक्सिबिलिटी है। फंड मैनेजर किसी एक सेक्टर या कंपनी के साइज तक सीमित नहीं होते। वे लार्ज-कैप, मिड-कैप और चुनिंदा स्मॉल-कैप स्टॉक्स में जाते हैं, जो इस बात पर आधारित होते हैं कि असली क्वालिटी कहां है। इसका मतलब है कि निवेशक कोर थीम पर से ध्यान हटाए बिना डायवर्सिफिकेशन से लाभ उठाते हैं।

इसके अलावा, ऐसे फंडों पर काफी रिचर्स किया जाता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक चयन सॉलिड मैट्रिक्स पर आधारित है रिटर्न ऑन इक्विटी, रिटर्न ऑन इन्वेस्टेड कैपिटल, फ्री कैश फ्लो और पूरे बिजनेस का हेल्थ। अभी, कई क्वालिटी वाले स्टॉक अन्य निवेश शैलियों की तुलना में हाल ही में अंडरपरफॉर्मेंस के कारण उचित वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। यह निवेशकों के लिए आकर्षक कीमतों पर हाई-क्वालिटी वाले बिजनेस में प्रवेश करने का एक अनूठा अवसर देता है। नीतिगत बदलावों से लेकर जियोपॉलिटिकल टेंशन तक वैश्विक चुनौतियों के जल्द ही खत्म होने की संभावना नहीं है। ऐसे में क्वालिटी-फोकस पोर्टफोलियो एक संतुलित वाहन की तरह काम करता है।

क्वालिटी म्यूचुअल फंड सिर्फ रिटर्न ही नहीं देते बल्कि भरोसा भी देते हैं। वे कुछ ऐसा हैं जो लंबे समय तक चलता है। यह शोध से प्रेरित है, अनुशासन पर आधारित और निवेशक की दीर्घकालिक दृष्टि के साथ जुड़ा है।

अगले हफ्ते आएगा इस ऑटो कंपोनेंट कंपनी का आईपीओ, इंग्लैंड से लेकर जापान तक करती है सप्लाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी बेलराइज इंडस्ट्रीज का अगले हफ्ते आईपीओ आने वाला है। यह पब्लिक ऑफर 21 मई को खुलकर 23 मई को बंद होगा। कंपनी ने कहा है कि एंकर इन्वेस्टर्स के बोली लगाने के लिए 20 मई की तारीख तय की गई है।

इस आईपीओ से कंपनी का 2150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इसके लिए इसने 85 से 90 रुपये का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार आईपीओ से जुटाई गई रकम से 1618 करोड़ रुपये वह कर्ज लौटाने में इस्तेमाल करेगी। दिसंबर 2024 में कंपनी पर 2600 करोड़ रुपये का कर्ज था।

बेलराइज इंडस्ट्रीज टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल और खेती में इस्तेमाल होने वाले वाहनों के लिए कई तरह के सेफ्टी सिस्टम बनाती है। कंपनी की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक यह मेटल फैब्रिकेशन के साथ पॉलीमर, टू-व्हीलर के मिरर, सस्पेंशन और सब-असेंबली की भी मैन्युफैक्चरिंग करती है।

भारत में बेचने के अलावा यह अपने प्रोडक्ट ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, इंग्लैंड, जापान और थाईलैंड को निर्यात भी करती है। इसके ग्राहकों में बजाज ऑटो, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, जगुआर लैंडरोवर और रॉयल एनफील्ड मोटर्स भी शामिल हैं।

कंपनी की इस समय 17 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका रेवेन्यू 7484.24 करोड़ और प्रॉफिट 310.18 करोड़ रुपये था। उससे एक साल पहले रेवेन्यू 6582.50 करोड़ और प्रॉफिट 313.66 करोड़ रुपये था। कंपनी ने आधा इश्यू क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल खरीदारों के लिए रिजर्व रखा है। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत शेयर हैं। बाकी 15त्न शेयर नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखे गए हैं। इन्वेस्टर्स को कम से कम 166 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा।

अपना बिजनेस शुरू करने का सुनहरा मौका, पीएम जन औषधि का रजिस्ट्रेशन फिर खुला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम जन औषधि योजना की ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा हुई है। इस पोस्ट के जरिए जनता को सूचित किया गया है कि जन औषधि योजना का रजिस्ट्रेशन फिर से शुरू हो गया है। इस योजना के तहत अगर कोई व्यक्ति मेडिकल दुकान शुरू करता है, तो उसे सरकार की तरफ से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अपना जन औषधि केंद्र खोलकर आत्मनिर्भर बनें और सस्ती दवाइयों के माध्यम से समाज की सेवा करें। कम निवेश में ज़्यादा लाभ और समाज के लिए सस्ती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

अगर आप जन औषधि योजना के तहत बिजनेस शुरू करते हैं, तो दवाई की एमआरपी पर 20 फीसदी का मुनाफा मिलता है। मसलन मान लीजिए एक दवाई का स्ट्रिप की कीमत 100 रुपये है, तो इसे बेचने पर आपको 20 रुपये का लाभ मिल जाएगा।

इसके साथ ही एसटी/एससी, महिलाओं और दिव्यांगजन को इस स्कीम के तहत ज्यादा फायदे मिल सकते हैं। इसके अलावा अगर इस योजना के तहत कोई दवा घर हिमालय या नॉर्थ ईस्टर्न स्टेट में खोला जाता है, तो सरकार की तरफ से 2 लाख रूपये का इंसेंटिव प्रदान किया जाएगा।

इसके बिना नहीं मिलेगा लाभ- वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक अगर आप जन औषधि परियोजना में अप्लाई करना चाहते हैं, तो डी फार्मा या बी फार्मा की डिग्री होना जरूरी है। अगर आपके पास इन दोनों में से कोई भी डिग्री नहीं है, तो ऐसे व्यक्ति को दुकान में रखना होगा, जिसके पास ये डिग्री उपलब्ध हो।

रणनीतिक स्थानों पर स्थापित हाई-स्पीड चार्जर्स से इंटरसिटी और अर्बन ईवी मोबिलिटी को मिलेगा नया आयाम

भोपाल। भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर ईवी निर्माता और देश की ईवी क्रांति की अग्रणी कंपनी टाटा डाट ईवी ने आज अपने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स का उद्घाटन किया। यह हाई-स्पीड चार्जर्स की सीरीज चार्जज़ोन और स्टैटिक के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जो टाटा डाट ईवी की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत कंपनी ने 2027 तक देशभर में चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 4 लाख करने का लक्ष्य रखा है। भारत में इलेक्ट्रिफिकेशन के अगले चरण को गति देते हुए, टाटा डाट ईवी ने अपने ओपन कोलेबोरेशन फ्रेमवर्क के माध्यम से न केवल कई चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर (सीपीओ) और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ मजबूत साझेदारियाँ की हैं, बल्कि प्रमुख राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज़ी से विस्तार भी किया है। इसी फ्रेमवर्क के अंतर्गत टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर नेटवर्क की शुरुआत की गई है, जो हाई-स्पीड चार्जिंग और बेहतरीन विश्वसनीयता प्रदान करेगा। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर श्री बालाजी राजन ने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स के शुभारंभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, जब भारत में ईवी अपनाने की गति तेज हो रही है, तब एक व्यापक और भरोसेमंद चार्जिंग नेटवर्क समय की मांग है। देश के प्रमुख ईवी कॉरिडोर्स में इन पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स की स्थापना एक सुपरफास्ट चार्जिंग नेटवर्क की शुरुआत है, जिसे हम देश के बड़े राजमार्गों पर फैलाएंगे। यह नेटवर्क भारत के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ते हुए चार्जिंग की चिंता को खत्म करेगा। हमारा मिशन है – तेज़, भरोसेमंद और सहज चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराना ताकि देशभर में निर्बाध ईवी मोबिलिटी सुनिश्चित हो सके – और यह तो बस शुरुआत है।

टाटा डाट ईवी ने भारत के प्रमुख राजमार्गों और शहरी केंद्रों पर रणनीतिक रूप से 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाए हैं, ताकि तेज़ और सुविधाजनक चार्जिंग विकल्प मुहैया कराया जा सके। ये हाई-कैपेसिटी चार्जर्स उन क्षेत्रों में स्थित हैं जहां ईवी की संख्या अधिक है, जिससे उपयोगकर्ताओं को आराम, गति और सुविधा मिलती है। टाटा डाट ईवी ने देशभर में कुल 500 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाने का लक्ष्य रखा है। नीचे पहले चरण के अंतर्गत लगाए गए 10 चार्जर्स की सूची दी गई है÷ मुंबई- अहमदाबाद राजमार्ग चार्जज़ोन की साझेदारी में टाटा डाट ईवी ने गुजरात और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर तीन हाई-कैपेसिटी मेगाचार्जर्स लगाए गए हैं÷, श्रीनाथ फूड हब, वडोदरा, शांति कॉम्प्लेक्स, वापी, होटल एक्सप्रेस इन, घोड़बंदर, लगभग 150-200 किमी की दूरी पर स्थित इन स्टेशनों में रेस्टोरेंट और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, ताकि प्रीमियम और भरोसेमंद चार्जिंग अनुभव डिलीवर किया जा सके। वडोदरा का 400 किलोवॉट मेगाचार्जर एक साथ 6 वाहनों को चार्ज कर सकता है और मात्र 15 मिनट में 150 किमी की रेंज प्रदान करता है। अन्य स्टेशनों पर 120 किलोवॉट तक की चार्जिंग स्पीड उपलब्ध है। प्रत्येक स्थान पर रेस्टोरेंट और शौचालय की सुविधा दी गई है, ऐसे में इस राजमार्ग पर आना-जाना करने वाले ईवी मालिकों को प्रीमियम के साथ ही भरोसेमंद और फास्ट चार्जिंग अनुभव का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली - जयपुर हाईवे स्टैटिक के साथ मिलकर टाटा डाट ईवी ने राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र (दिल्ली) और जयपुर के बीच 270 किमी की दूरी पर 60 किमी के अंतराल पर चार टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स स्थापित किए हैं÷ एसएस प्लाजा, सेक्टर 47, गुरुग्राम , होटल ओल्ड राव, कापरीवास , असली पप्पू ढाबा, हमजापुर, होटल हाईवे किंग, शाहपुरा, 270 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर रणनीतिक रूप से इन स्टेशनों को 60 किलोमीटर के अंतराल पर विकसित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2025 पर भोपाल में सप्ताहव्यापी संग्रहालय मेला

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश द्वारा 18 मई 2025 से राजधानी भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स में सप्ताहव्यापी संग्रहालय मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से जनसामान्य को इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों से रूबरू कराने का अभिनव प्रयास किया गया है। इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव महोदय द्वारा वर्चुअल म्यूज़ियम केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। यह केंद्र आगंतुकों को एक अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें पहली बार वर्चुअल म्यूज़ियम यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, इस समारोह में संचालनालय के अधिकृत मैस्कॉट का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन के मुख्य अतिथि श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत एक छायाचित्र प्रदर्शनी ''भारत की सौर परंपरा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें भारत के सूर्य मंदिर एवं मूर्तियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाएंगी। यह प्रदर्शनी प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक निशुल्क आमजन के लिए खुली रहेगी। 'संग्रहालय मेला' में विशेष प्रदर्शनियों, शैक्षणिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, बच्चों के लिए रचनात्मक कार्यशालाओं सहित विविध आयोजन होंगे, जो संग्रहालयों के प्रति जनसामान्य की रुचि और सहभागिता को सुदृढ़ करेंगे। प्रदेश के अन्य जोनल कार्यालयों - ग्वालियर, इंदौर एवं जबलपुर - में भी इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाएगा। ग्वालियर में अतीत से भविष्य के सेतु ÷ हमारे संग्रहालय विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन मोती महल में किया जाएगा, जिसमें ख्यात विषय विशेषज्ञ विचार प्रस्तुत करेंगे। इंदौर में विंटेज इंदौर विषय पर प्रदर्शनी और संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

हमारे 4 में से केवल 1 ही नाम को चुना, भड़की कांग्रेस; किसी नेता को विदेश जाने से नहीं रोकेगी पार्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मामला उन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों से जुड़ा है जिन्हें पाकिस्तान के आतंकवाद से संबंध और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े तथ्यों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करने के लिए विदेश भेजा जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने उसके द्वारा सुझाए गए चार नेताओं में से केवल एक को ही प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया।

कांग्रेस ने बताया कि केंद्र सरकार ने पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे, जिसके जवाब में पार्टी ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नाम भेजे थे। लेकिन, अंतिम सूची में सिर्फ आनंद शर्मा को ही शामिल किया गया, जबकि बाकी तीन नामों को नजरअंदाज कर दिया गया।

इसके विपरीत, सरकार ने कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया है। ये उन नामों में शामिल नहीं थे जिन्हें कांग्रेस ने सुझाया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार देर रात जारी एक बयान में कहा, 16 मई की सुबह, मोदी सरकार ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों/नेताओं के नाम मांगे, जिन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत की स्थिति को दुनिया के सामने रखने के लिए विदेश भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया जाना था। कांग्रेस संसदीय दल की ओर से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 16 मई को दोपहर 12 बजे तक चार नाम संसदीय कार्य मंत्री को लिखित रूप में भेज दिया था।

उन्होंने कहा कि आज देर रात (17 मई) इन सभी प्रतिनिधिमंडलों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। अत्यंत खेदजनक है कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए चार नामों में से केवल एक को ही शामिल किया गया है। रमेश ने आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार की पूरी तरह से असंवेदनशील और असत्यनिष्ठ राजनीतिक सोच को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि किस तरह वह गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी घटिया राजनीतिक खेल खेलती है।

इससे पहले खबरें आई थीं कि कांग्रेस उन नेताओं पर ऐक्शन ले सकती है जो बिना उसकी इजाजत के सरकारी प्रतिनिधिमंडलों के साथ विदेश जाएंगे। इनमें शशि थरूर का नाम भी शामिल है। क्योंकि कांग्रेस ने जो लिस्ट सरकार को दी उसमें थरूर का नाम शामिल नहीं था, फिर भी सरकार ने उन्हें लिस्ट में शामिल किया है। हालांकि अब कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया है कि भले ही उसके दिए नामों में से नेताओं को नहीं चुना गया हो, फिर भी वह किसी को विदेश जाने से नहीं रोकेगी।

सरकार से मदद में मिले आवासों को बनाया कमाई का जरिया, 219 को भेजा जाएगा नोटिस

प्रयागराज, एजेंसी। यूपी के प्रयागराज में देवघाट झलवा की कांशीराम आवास योजना में सरकार ने गरीबों को सिर छिपाने के लिए रियायती दरों पर आवास तो दिया, लेकिन मदद में मिली इस छतको आवंटियों ने कमाई का जरिया बना लिया। यहां ब्लॉक एक से 33 तक के 528 घरों की जांच की गई तो 326 घर ऐसे मिले जहां या तो ताला बंद था या फिर लोगों नेइसे किराए पर उठा दिया था। अब इन घरों को खाली कराया जाएगा। इसमें मूल आवंटियों को बसाया जाएगा या फिर दूसरे गरीबों को इसे नए सिरे से दिया जाएगा। रिपोर्ट में कई आवासों को बेचने की भी बात कही गई है।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की जनसुनवाई में प्रतिदिन ऐसे लोग आते हैं, जिनके पास न तो जमीन है और न ही आवास। उनकी स्थिति को देखकर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह को राजस्व टीम के साथ कांशीराम आवास योजना का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था।

पाकिस्तान पर एक और हमले के लिए तैयार था भारत, भीख मांगने लगा पड़ोसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 मई को हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत द्वारा आतंकवादी ढांचों को ध्वस्त करने के बाद 10 मई की सुबह भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस को निशाना बनाया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया और इस्लामाबाद ने अमेरिका से तत्काल हस्तक्षेप की भीख मांगी। भारतीय नौसेना द्वारा कराची नौसैनिक अड्डे पर संभावित हमले की खबरों ने पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था को पूरी तरह झकझोर दिया। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 10 मई की सुबह भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से संपर्क करने के लिए आपात प्रयास किए।

अमेरिकी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान ने अमेरिका को बताया कि वह तत्काल युद्धविराम चाहता है, हालांकि भारत की ओर से साफ कर दिया गया कि किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णय डीजीएमओ चैनल से ही होगा क्योंकि इस समय सेना ही पूरे अभियान का नेतृत्व कर रही है।

पाकिस्तान के महानिदेशक सैन्य संचालन काशिफ अब्दुल्ला ने सुबह 10:38 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन कर कराची पोर्ट पर संभावित ब्रह्मोस मिसाइल हमले की बात कही और प्रतिघात की धमकी दी। हालांकि, भारतीय पक्ष पूरी तरह तैयार था और किसी प्रकार के दबाव में नहीं आया।

भारत की ओर से किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया में संयम और आत्मविश्वास दोनों स्पष्ट नजर आए। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और पारंपरिक सहयोगियों द्वारा बार-बार किए गए फोन कॉल्स को भारत ने अनदेखा कर दिया। भारत का साफ मानना था कि अब कोई भी रणनीतिक बातचीत सिर्फ सैन्य माध्यमों से ही होगी।

10 मई के मिसाइल हमले के बाद पाकिस्तान की 11 वायुसेनाओं के ठिकाने निष्क्रिय हो चुके थे और हवाई सुरक्षा प्रणाली पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी। भारत की वायुसेना के राफेल विमानों, ब्रह्मोस मिसाइलों, ड्रोन और लूटरिंग म्यूनिशन ने असाधारण प्रदर्शन किया। यहां तक कि चीन से प्राप्त एयर डिफेंस सिस्टम भी या तो नष्ट हो गए या इलेक्ट्रॉनिक जामिंग के कारण निष्क्रिय हो गए।

भारत ने संघर्षविराम क्यों स्वीकारा?

भारतीय रणनीतिकारों ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत ने संघर्षविराम को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि मिशन के लक्ष्य पूर्ण रूप से प्राप्त हो चुके थे। पाकिस्तान की ओर से कोई और प्रभावी सैन्य प्रतिक्रिया अब संभव नहीं थी। इसके अलावा, भारत नहीं चाहता था कि पाकिस्तान पश्चिमी देशों के समक्ष पीड़ित देश के रूप में प्रस्तुत हो।

चीनी और तुर्की को लेकर भारत सतर्क

रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान की वायु रणनीति में चीनी और तुर्की सैन्य सलाहकारों की भूमिका रही। इस पर भारत ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ऐसे आतंक समर्थक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई संभव है। भारत अब पारंपरिक युद्ध की जगह स्टैंड-ऑफ वेपंस और ड्रोन युद्ध प्रणाली पर अधिक ध्यान दे रहा है। वर्ष 2028 तक भारत में 31 अमेरिकी 'प्रिडेटर' सशस्त्र ड्रोन आने वाले हैं, साथ ही कम लागत वाले स्वार्म ड्रोन और हाई-एल्टीट्यूड अटैक ड्रोन के स्वदेशी विकास पर तेजी से काम चल रहा है।

सिंधु जल संधि की समाप्ति

अगले महीने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने की योजना पाकिस्तान के लिए एक और झटका साबित हो सकती है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंक के खिलाफ लड़ाई में अब आत्मनिर्भरता और निर्णायक सैन्य क्षमता ही उसका मार्गदर्शक सिद्धांत होगा।

विश्व कल्याण के लिए शक्ति आवश्यक, भारत का कर्तव्य धर्म सिखाना : मोहन भागवत

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि दुनिया तभी आपकी बात सुनती है, जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने देश को विश्व का सबसे प्राचीन देश बताते हुए कहा कि भारत की भूमिका बड़े भाई की तरह है, जो विश्व में शांति और सौहार्द स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। डॉ. भागवत जयपुर के हरमाडा स्थित रविनाथ आश्रम में संत रविनाथ महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने संत तुकाराम के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि हम बैकुंठ के वासी हैं और इस धरती पर इसलिए आए हैं ताकि संत-महात्माओं के उपदेशों को व्यवहार में लाकर दिखाएं। आज के समय में यह व्यवहार करना हमारी जिम्मेदारी है। समाज को समरस और शक्ति संपन्न जीवन जीने की आवश्यकता है, क्योंकि कमजोर कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि समाज शक्ति की पूजा करता है, इसलिए साधना के साथ शक्तिशाली जीवन जीना जरूरी है। कार्यक्रम में विनम्रता दिखाते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि वे न तो सम्मान के अधिकारी हैं और न ही भाषण देने के। उन्होंने कहा कि आरएसएस की 100 साल पुरानी परंपरा में लाखों कार्यकर्ताओं का परिश्रम शामिल है। अगर यह परंपरा सम्मान योग्य है, तो यह उन कार्यकर्ताओं का सम्मान है। संतों की आज्ञा के कारण ही वे यह सम्मान ग्रहण कर रहे हैं। इस दौरान भावनाथ महाराज ने डॉ. भागवत को सम्मानित किया।

मंगलसूत्र बांधते ही दूल्हे को आया हार्ट अटैक, तुरंत हो गई मौत; मातम में बदला शादी समारोह

बागलकोट , एजेंसी। कर्नाटक के बागलकोट जिले में शनिवार को शादी समारोह के दौरान बेहद दुखद घटना घटी। 25 वर्षीय दूल्हे प्रवीण ने अभी अपनी दुल्हन के गले में मंगलसूत्र बांधकर विवाह की रस्म पूरी की ही थी, अचानक उसके सीने में दर्द होने लगा। इस बारे में शिकायत के तुरंत बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ा। यह देखकर उसके परिवार वाले और दोस्त हैरान रह गए। यह घटना बागलकोट के जमखंडी कस्बे की है। शादी समारोह में मौजूद लोगों ने बताया, मंगलसूत्र बांधने के बाद प्रवीण को असहज महसूस हुआ और कुछ ही देर में वह जमीन पर गिर गया। आनन-फानन में उसे नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रवीण की मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। फिलहाल, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के चलते पूरे समुदाय के लोग शोक में डुब गए और नवविवाहित दुल्हन के लिए यह पल भारी दुख में बदल गया। गौरतलब है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब ऐसी त्रासदी हुई। जब उत्सव का माहौल मातम में बदल गया। इसी साल फरवरी में मध्य प्रदेश में संगीत समारोह के दौरान ऐसी घटना हुई। 23 वर्षीय महिला को मंच पर हार्ट अटैक आया और उसकी मृत्यु हो गई। इसी तरह दिसंबर 2024 में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में ऐसा हादसा हुआ था। 14 वर्षीय छात्र की खेल प्रतियोगिता की तैयारी के दौरान हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई थी। भारत में युवाओं में हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जो कि चिंता का विषय है।

अगर नरक और पाकिस्तान में चुनना हो तो, नरक जाना ज्यादा बेहतर हैं: जावेद अख्तर

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के दिग्गज लिरिक्स और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने एक बुक लॉन्च इवेंट में कहा कि अगर उनके पास पाकिस्तान और जहन्नम (नरक) में किसी एक जगह जाने की चॉइस हो तो वह जहन्नम जाना ज्यादा बेहतर समझेंगे।

भारत-पाक युद्ध के दौरान चर्चा में रहे जावेद

जावेद अख्तर ने कहा कि हुआ यह कि मैं सिर्फ साढ़े उन्नीस साल का था जब मुंबई आया था, आज जो कुछ बना, जो कुछ मुझे मिला, जहां भी पहुंचा, यह सब मुंबई की, महाष्ट्र की कर्मभूमि है। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान जावेद अख्तर के बयान काफी चर्चा में रहे थे। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले जावेद अख्तर राजनैतिक और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं।

जावेद अख्तर शनिवार को मुंबई में आयोजित एक बुक लॉन्च इवेंट में बोल रहे थे जहां उन्होंने बताया कि उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ से गालियां पड़ती हैं। जावेद अख्तर ने कहा कि उन्हें जो कुछ मिला है वो यहीं से ही मिला है और मुंबई, महाराष्ट्र की कर्मभूमि है जिसने उन्हें आज इतना कुछ दिया है।

जावेद बोले- मुझे दोनों तरफ से गालियां आती हैं: जावेद अख्तर ने इस बुक लॉन्च इवेंट में कहा, तो नतीजा क्या होता है कि अगर आप एक तरफ से बात कर रहे हैं तो आप कुछ लोगों को नाखुश करेंगे, लेकिन अगर हर तरफ से बात कर रहे हैं तो बहुत ज्यादा लोगों को नाखुश करेंगे।

कभी आप मिलिएगा अलग तो मैं आपको दिखाऊंगा अपना ट्विटर, अपना व्हाट्सऐप... जिसमें मुझे दोनों तरफ से गालियां आती हैं। ऐसा नहीं है कि मैं बहुत थैंकलेस हूं। बहुत से लोग तारीफ भी करते हैं, बहुत से लोग हिम्मत भी बढ़ाते हैं, तारीफ भी करते हैं।

श्रीनगर में आतंकियों के सहयोगियों पर एक्शन, 23 के खिलाफ पीएसए के तहत केस दर्ज

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकवादियों के 23 सहयोगियों और उपद्रवियों पर बड़ा ऐक्शन लिया है। इनके खिलाफ कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों को हिरासत में लेकर पुंछ, उधमपुर के जिला कारागार और जम्मू की कोट भलवाल जेल में रखा गया है। उन्होंने कहा, राष्ट्र की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह व आपराधिक तत्वों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की गई। इसके तहत, श्रीनगर पुलिस ने विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के 23 सहयोगियों और सार्वजनिक अशांति में शामिल बदमाशों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज किया। श्रीनगर पुलिस की ओर से तैयार किए गए दस्तावेज के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय से हिरासत का आदेश मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : खामेनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को झूठा करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने पावर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है। अयातुल्लाह अली खामेनेई ने शनिवार को तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, शनिवार को तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान हैं। ईरानी नेता ने कहा, ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला। उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है। अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था। मंगलवार को सऊदी की राजधानी रियाद में दिए एक बयान में ट्रंप ने ईरान को मध्य पूर्व में सबसे विनाशकारी शक्ति बताया था और उस पर क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिका ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। हालांकि, ट्रंप ईरान के साथ एक ऐसे सौदे से बचना चाहते हैं जो संयुक्त व्यापक कार्य योजना की तरह हो, जिस पर बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान सहमति बनी थी। इसमें यूरोपीय संघ और चीन भी शामिल थे। ट्रंप ने 2018 में संयुक्त व्यापक कार्य योजना से खुद को अलग कर लिया था और तेहरान पर फिर से प्रतिबंध लगाए थे। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने शनिवार को कहा कि देश शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

कैमरे पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की अजीब हरकत कैद, छटपटाते दिखे मैक्रों

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया में यूरोपीय पॉलिटिकल समिट के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोआन की अजीब हरकत कैमरे में कैद हुई है। उनकी हरकत से फ्रांस के राष्ट्रपति मेक्रों काफी असहज दिखे। गंभीर कूटनीतिक माहौल के बीच 13 सेकंड की इस घटना ने माहौल पूरी तरह से बदल दिया। मामला यूं है कि मंच पर जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एर्दोआन से हाथ मिलाया, तो शायद उन्होंने नहीं सोचा था कि ये सामान्य-सी हैंडशेक अचानक एक 'साइलेंट पावर प्ले' में बदल जाएगी। एर्दोआन ने न सिर्फ मैक्रों की उंगली थाम ली, बल्कि पूरे 13 सेकंड तक उसे नहीं छोड़ा।

घटना क्या हुई : वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एर्दोआन पहले मैक्रों से हाथ मिलाते हैं, फिर उनके हाथ को थपथपाते हैं। लेकिन तभी मामले में अजीब मोड़ आया, मैक्रों जैसे ही दूसरी ओर ध्यान देते हैं, एर्दोआन उनके इंडेक्स फिंगर को कसकर पकड़ लेते हैं और करीब 13 सेकंड तक नहीं छोड़ते। मैक्रों असहज दिखते हैं, मुस्कुराते हैं, हाथ छुड़ाने की कोशिश करते हैं, मगर एर्दोआन शांति से बैठे उनकी उंगली को पकड़े रखते हैं।

तुर्की मीडिया का दावा : तुर्की मीडिया ने दावा किया है कि मैक्रों ने बातचीत के दौरान एर्दोआन के कंधे पर हाथ रखकर 'मनोवैज्ञानिक बढ़त' लेने की कोशिश की थी। लेकिन एर्दोआन ने भी जवाब में उनकी उंगली पकड़ ली और इसे हल्के-फुल्के अंदाज में 'पावर डॉमिनेंस' का संकेत बताया जा रहा है।

समिट के अन्य दिलचस्प पल : इसी समिट में अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को घुटनों पर बैठकर नमस्ते किया।

घबराए पाकिस्तान ने फिर उतारी भारत की नकल

बिलावल भुट्टो विदेश में शांति प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

इस्लामाबाद, एजेंसी। घबराए पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए अपने प्रतिनिधिमंडल को विदेश भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से विदेशी राजधानियों में तथाकथित अपना शांति का मामला पेश करने को कहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7 से 10 मई तक चार दिनों तक चली सैन्य झड़प में अपमान का सामना करने वाला पाकिस्तान, भारत के हर कदम को फॉलो कर रहा है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नकल करते हुए शहबाज शरीफ सेना का हौसला बढ़ाने पहुंचे तो अब भुट्टो से वैश्विक मंच पर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है।

इसकी घोषणा करते हुए भुट्टो ने एक्स पर कहा कि शहबाज शरीफ ने उनसे संपर्क किया था, जिन्होंने उनसे एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह प्रधानमंत्री सीएम शहबाज ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति के लिए पाकिस्तान का पक्ष रखने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने और इन चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

यह तब हुआ जब भारत सरकार ने 7 सांसदों को नियुक्त देशों में संबंधित प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने और आतंकवाद के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति और पहलगाम आतंकी हमले के बारे में भारत के साक्ष्य और रुख को प्रस्तुत करने के लिए चुना है, जिसके कारण ऑपरेशन सिंदूर हुआ। कांग्रेस नेता शशि थरूर, भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आज़ाद और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी सहित सांसदों, राजनीतिक नेताओं और पूर्व राजनयिकों वाले सात भारतीय प्रतिनिधिमंडल उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया की प्रमुख राजधानियों की यात्रा करने वाले हैं। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत करने को तैयार है और सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि इस्लामाबाद से समर्थित सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से रोक नहीं दिया जाता। विदेश मंत्री जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर से जुड़ा एकमात्र मुद्दा जिस पर नई दिल्ली इस्लामाबाद के साथ चर्चा करने को तैयार है, वह है पाकिस्तान के अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र के हिस्सों को खाली करना। 7 मई को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को धूल में मिटा दिया। इससे दोनों पक्षों के बीच चार दिनों तक भीषण सशस्त्र टकराव हुआ, जिसमें ड्रोन, मिसाइल और लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जब तक कि 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति नहीं बन गई। हाल ही में पाकिस्तान ने भारत की नकल तब की थी, जब उनके प्रधानमंत्री ने सियालकोट में एक सैन्य अड्डे का दौरा किया था, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम की नकल था, जो पंजाब के आदमपुर एयरबेस गए थे और वायु योद्धाओं और जवानों से बातचीत की थी। पृष्ठभूमि में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली के साथ उन्हें संबोधित किया - जिसे पाकिस्तान ने मार गिराने का दावा किया था। शहबाज शरीफ ने भी सियालकोट बेस का दौरा किया और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को संबोधित किया, चार दिनों की संक्षिप्त हवाई लड़ाई में भारत के खिलाफ एक दिखावटी जीत का दावा किया। भारत की नकल करने वाला पाकिस्तान तब सामने आया है जब भारत में नरेंद्र मोदी सरकार ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के लिए टीमें बनाई हैं।

मुरीदके आतंकी मुख्यालय का फिर से होगा निर्माण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुई मुरीदके स्थित जमात-उद-दावा के मुख्यालय का पुनर्निर्माण कराने का आश्वासन दिया है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग, आतंकी संगठन जमात-उद-दावा की एक राजनीतिक शाखा है। यह लश्कर-ए-ताइबा का मुखौटा संगठन है। इसने भारत के कई हिस्सों में आतंकवादी हमले किए हैं, जिनमें 2008 में हुआ भयावह 26/11 मुंबई हमला भी शामिल है।

अरब लीग शिखर सम्मेलन में गाजा का मुद्दा शीर्ष पर

बगदाद, एजेंसी। इराक की राजधानी में अरब लीग के वार्षिक शिखर सम्मेलन में क्षेत्रीय नेताओं की बैठक में गाजा युद्ध का मुद्दा अहम रहा। काहिरा में मार्च में हुए एक आपात शिखर सम्मेलन में अरब नेताओं ने गाजा पट्टी के 20 लाख लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण योजना पर अपनी बात रखी थी।

ईशांत ने सुदर्शन-किशोर की तारीफ की, बोले- दोनों टीम के लिए इम्पैक्टफुल प्लेयरस

नईदिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस (जीटी) के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों साई सुदर्शन और साई किशोर की तारीफ की है। उन्होंने कहा, दोनों खिलाड़ियों को पता है कि टीम के लिए इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस कैसे करना है। ईशांत ने शनिवार को स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में आईपीएल-2025 में प्लेऑफ रेस के बारे में बातचीत की।

जहां उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे सीजन रुकने से टीम पर असर पड़ा और उन्होंने कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल के साथ अपने बॉन्डिंग के बारे में भी बताया।

सुदर्शन को अपने स्किल पर पूरा भरोसा

मीडिया के सवाल पर ईशांत ने साई किशोर के बारे में बात करते हुए कहा, वे एक स्मार्ट खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि उन्हें जो भी मौका मिले, उसमें अपना बेस्ट परफॉर्मेंस करना है। आप जानते है कि साई किशोर ने दूसरे गेंदबाजों की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी की है, इसके बावजूद वह आईपीएल2025 पर्पल कैप के दावेदार हैं।साई किशोर ने इस सीजन 11 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। पर्पल कैप की रेस में 10वें नंबर पर हैं।

उन्होंने साई सुदर्शन के बारे में कहा, उन्हें अपने स्किल पर पूरा भरोसा है और वे जानते हैं कि खेल को कैसे आगे बढ़ाना है। वे बड़े हिटर नहीं हैं, लेकिन फिर भी अच्छे क्रिकेटिंग शॉट खेल सकते हैं, जैसे वे चौके मारते हैं, जिससे विपक्षी गेंदबाजों पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

ब्रेक से कोई असर नहीं

आईपीएल 2025 में थोड़े समय के ब्रेक के बारे

में बात करते हुए ईशांत ने कहा, इसका कोई असर नहीं पड़ा। शुरू में मुझे बताया गया था कि आईपीएल अब नहीं होगा। लेकिन जल्द ही उन्हें बताया गया कि खिलाड़ी अहमदाबाद जा रहे हैं, जहां उन्होंने टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की घोषणा से पहले ही अभ्यास शुरू कर दिया था।

नेहरा-गिल के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत

ईशांत ने आगे कहा, कोच आशीष नेहरा और कप्तान शुभमन गिल दोनों के साथ मेरे संबंध बहुत मजबूत हैं। मैं युवा खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव को साझा करने की कोशिश करता हूं कि मैच में स्थिति के अनुसार अपनी स्टॉक डिलीवरी का उपयोग कैसे करें, क्योंकि कोई भी खिलाड़ी पहले ओवर में अपने सभी पत्ते नहीं दिखा सकता है, बल्कि उसे थोड़ा सा ब्लफ करना पड़ता है।

अब 7 टीमों के बीच प्लेऑफ की जंग किस टीम को कितने मैच जीतने होंगे

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज के 70 में से 55 मैच हो चुके हैं, लेकिन अभी तक प्लेऑफ की तस्वीर साफ नहीं हो सकी है। हालांकि तीन टीमें सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं। अब सात टीमों के बीच प्लेऑफ की जंग देखने को मिलेगी। फिलहाल आरसीबी, पंजाब किंग्स, एमआई और जीटी टॉप-4 में हैं। जबकि डीसी, केकेआर और एलएसजी क्रमश- पांचवें, छठे और सातवें पायदान पर हैं। इन सातों टीमों को प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए कितने मैच जीतने होंगे और किसके क्या समीकरण हैं आइये आपको विस्तार से बताते हैं।

आरसीबी

आरसीबी ने 11 मैचों में 16 अंक और +0.482 के नेट रन रेट के साथ प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर जगह पक्की करने के लिए उसे एक और जीत की जरूरत होगी। अगर वह अपने तीन में से दो मैच जीतती है तो 20 अंक के साथ शीर्ष-2 में जगह बनाने और क्वालीफायर 1 में सीधे पहुंच सकती है। अब उसे एलएसजी, एसआरएच और केकेआर से मैच खेलने हैं।

पीबीकेएस

पंजाब किंग्स अपने 11 मैच में 15 अंक और +0.376 के नेट रन रेट से दूसरे नंबर पर है। वह अपने शेष तीन में से एक मैच जीतकर 17 अंक के साथ प्लेऑफ में क्वालीफाई कर सकती है। पंजाब के अगले तीन ग्रुप स्टेज मैच डीसी, एमआई और आरआर से हैं।

गुजरात टाइटंस

गुजरात टाइटंस 10 मैचों में 14 अंक और +0.867 के नेट रन रेट के साथ चौथे नंबर पर है। उसे 16 अंकों तक पहुंचने के लिए 1 जीत की आवश्यकता है। चार में से जीटी अगर तीन मैच जीतती है तो शीर्ष पर रहते हुए क्वालीफाई कर सकती है। अब उसे एमआई, डीसी, एलएसजी, और सीएसके से भिड़ना है।

लखनऊ सुपर जायंट्स

लखनऊ सुपर जायंट्स की बात करें तो फिलहाल वह 11 मैच में 10 अंक और -0.469 के नेट रन रेट के साथ सातवें पायदा पर है। अब उसे यहां अपने शेष तीनों मैच जीतने होंगे और वह भी बेहतर नेट रन रेट के साथ। उसे अब अपने अगले मैचों में आरसीबी, जीटी और एसआरएच से भिड़ना है।

दिल्ली कैपिटल्स

दिल्ली कैपिटल्स 11 मैचों के बाद 13 अंक और +0.362 के नेट रन रेट के साथ फिलहाल पांचवें पायदान पर है। वह अपने शेष तीन में से दो मैच जीतकर 17 अंकों के साथ प्लेऑफ में क्वालीफाई कर सकती है। अब उसे पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और एमआई से भिड़ना है।

केकेआर

केकेआर वर्तमान स्थिति में 11 मैच में 11 अंक और +0.249 के नेट रन रेट के साथ छठे नंबर पर है। वह अपने शेष तीनों मैच जीतकर 17 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकती है। अगर वह दो मैच जीतकर 15 अंक हासिल करती है तो उसे अन्य टीमों के मैचों पर निर्भर रहना होगा। अब उसे सीएसके, एसआरएच और आरसीबी के खिलाफ मैच खेलने हैं।

मुंबई

मुंबई इंडियंस के 11 मैचों में 14 अंक और +1.274 का नेट रन रेट है। लगातार छह जीत के साथ एमआई का नेट रन रेट सबसे बेहतर है। 16 के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें 3 मैचों में से केवल 1 जीत की आवश्यकता है। यदि एमआई 3 में से 3 जीतती है तो शीर्ष पर रहते हुए क्वालीफायर 1 स्थान सुनिश्चित कर सकती है। एमआई के अगले तीन मैच अब जीटी, पीबीकेएस और डीसी से हैं।

हरभजन सिंह ने तो बड़ा दावा कर कर कहा

असली फैन सिर्फ धोनी के हैं, बाकी तो आजकल...

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी सिर्फ एक क्रिकेटर नहीं हैं। पूर्व भारतीय कप्तान करोड़ों लोगों के लिए एक भावना बन चुके हैं। धोनी ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। तब से वह सिर्फ आईपीएल में ही खेलते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस उन्हें प्यार से थाला कहते हैं और उनका जबरदस्त क्रेज है। जब भी धोनी बल्लेबाजी करने मैदान में उतरते हैं, तो स्टेडियम तालियों और शोर से गूंज उठता है। पीली जर्सी से भरे स्टैंड्स का नजारा किसी त्योहार से कम नहीं होता।फैंस बस एक झलक पाने के लिए पागल हो जाते हैं और शोर का स्तर आसमान छूने लगता है। चाहे चेन्नई में हो या किसी और शहर में, जब सीएसके का मैच होता है और धोनी मैदान पर होते हैं, तो स्टेडियम खचाखच भर जाता है। घरेलू टीम से ज्यादा फैंस चेन्नई सुपर किंग्स के आते हैं। ये सब कुछ महेंद्र सिंह धोनी की वजह से ही होता है। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी के फैंस को लेकर बड़ी बात कही है। भज्जी के अनुसार सिर्फ धोनी के फैंस ही असली हैं। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा- अगर किसी खिलाड़ी के असली फैन हैं, तो वो धोनी के हैं। बाकी तो आजकल सोशल मीडिया पर आधे फैन तो पैसे देकर बनाए जाते हैं।हरभजन ने आगे कहा, कितना बचा हुआ है और जब तक दम है खेलो भाई। अगर मेरी टीम होती तो मैं कुछ और फैसला लेता। लेकिन बात साफ है कि फैन तो चाहेंगे कि वो खेले, क्योंकि उनके फैन सच्चे हैं। सीएसके के फैन जो हैं, वो असली हैं। बाकी जो सोशल मीडिया पर दिखाई देते हैं, उनके नंबरों को छोड़िए, उन पर कभी बैठकर बात करेंगे। इस बार देखा जाए तो धोनी ने ठीक-ठाक खेला है।हरभजन सिंह की बातें सुनकर उनके साथ बैठे आकाश चोपड़ा भी सहमत थे। उन्होंने कहा- इतना भी सच नहीं बोलना था।

रोस्टन चेज वेस्टइंडीज के नए टेस्ट कप्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दो साल से टेस्ट टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर रोस्टन चेज को टीम का कप्तान नियुक्त किया है।वह क्रैग ब्रैथवेट की जगह लेंगे। ब्रैथवेट ने इस साल के मार्च में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। वेस्टइंडीज ने उनकी कप्तानी में खेले 39 मैच में से 10 टेस्ट जीते, 22 हारे और सात ड्रॉ रहे।चेज ने आखिरी बार मार्च 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट खेला था। तब से वेस्टइंडीज ने 13 टेस्ट खेले, लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। अब टीम में वापसी के साथ ही उन्हें कप्तान बनाया गया है। इससे पहले वे एक वनडे और एक टी-20 में कप्तानी कर चुके हैं।चेज की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी, जो 25 जून से ब्रिजटाउन में शुरू होगी।चेज ने अब तक 49 टेस्ट में 2265 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक शामिल हैं। उनका औसत 26.33 है। गेंद से भी उन्होंने 85 विकेट लिए हैं। शुरुआत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। पहले 10 टेस्ट में उनका बैटिंग एवरेज 48.53 रहा, लेकिन इसके बाद उनका ग्राफ गिरा।स्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तान के लिए रोस्टन चेज के अलावा जॉन कैम्पबेल, टेविन इमलाच, जोशुआ दा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स और जोमेल वारिकन जैसे खिलाड़ी भी रेस में थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कप्तान चुनने के लिए एक डेटा-आधारित, साइकोमेट्रिक टेस्ट वाला प्रोसेस अपनाया गया था। सभी प्रक्रिया के बाद रोस्टन चेज को कप्तान चुनने का फैसला किया गया। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने इस चयन को वेस्टइंडीज क्रिकेट की सबसे सोच-समझकर की गई प्रक्रिया बताया। कोच डैरेन सैमी ने भी कहा कि, चेज को उनके साथियों का सम्मान मिला है और वो टीम को आगे ले जाने के लिए जरूरी लीडरशिप क्वालिटीज दिखा चुके हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए ऋषिकेश कानितकर भारत-ए टीम के कोच होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऋषिकेश कानितकर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कानितकर अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम की देखरेख करेंगे। भारत-ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलेगी। इसके बाद एक मैच भारत की सीनियर टीम के खिलाफ भी खेलेगी, जो बाद में इंग्लैंड का दौरा करेगी।

कानितकर के अलावा असम के सुभोदीप घोष (फील्डिंग कोच) और ट्रॉय कूली (गेंदबाजी कोच) भी भारत-ए टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा करेंगे। भारत की 18 सदस्यीय टीम के 25 या 26 मई को इंग्लैंड रवाना होने की उम्मीद है। भारत-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी में खेला जाएगा।

नॉर्थैम्पटन में छह जून से शुरू होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के बाद भारत ए टीम बेकनहम में 13 से 16 जून तक भारत सीनियर टीम के खिलाफ इंट्रा-स्क्वॉड मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा है कि शुभमन गिल और साई सुदर्शन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले ए टीम से जुड़ जाएंगे। वहीं, क्रिकबज की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर टीम का चयन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इसका चयन शुरू में 23 मई को किया जाना था, लेकिन आईपीएल के स्थगित होने और फिर से शुरू होने के कारण, इसमें देरी होने की संभावना है।

सुरेश रैना ने कहा विराट कोहली को भारत रत्न दो... सचिन तेंदुलकर की तरह होगा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। विराट के इस फैसले से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस हैरान थे। दिग्गजों ने भी विराट के इस फैसले पर सवाल खड़े किए थे। इसी बीच टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को देश का सबसे बड़ा खिताब देने की मांग की है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को भारत रत्न देने की बात कही है। कोहली ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रैना ने सरकार से यह मांग कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की है। सचिन तेंदुलकर अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें 2014 में भारत रत्न मिला था। रैना ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि विराट कोहली ने भारत और भारतीय क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। भारत सरकार को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए।

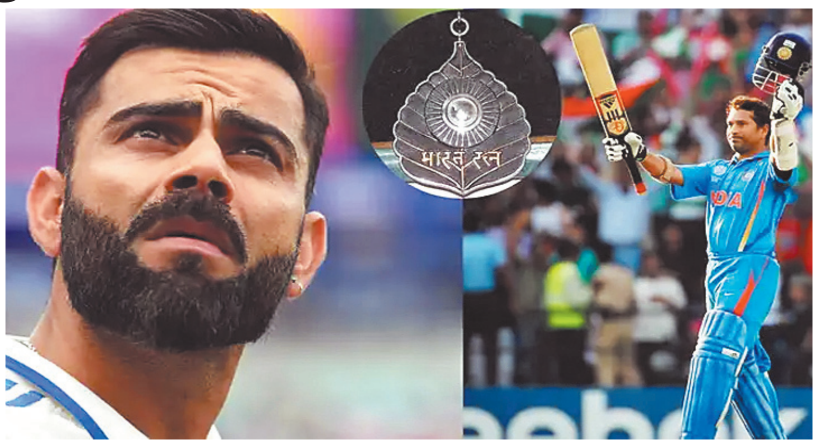

विराट कोहली ने हाल ही में 14 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कहा है। कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने से उनके फैंस हैरान हैं। आरसीबी के फैंस बड़ी संख्या में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सफेद जर्सी पहनकर आए। वे कोहली को आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच से पहले ट्रिब्यूट दे रहे थे। स्टेडियम में फैंस ने एक बड़ा बैनर लगाया था। उस पर लिखा था, हम सब विराट कोहली से प्यार करते हैं। रेड बॉल क्रिकेट को फिर से रोमांचक बनाने के लिए धन्यवाद।

विराट कोहली ने 2011 में अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। कोहली ने 31 अर्धशतक और 30 शतक भी लगाए।

टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त; परवेज हुसैन ने 53 गेंदों में 103 रन बनाए

बांग्लादेश की यूएई पर 27 रन से जीत

शारजाह (एजेंसी)। बांग्लादेश ने शारजाह में खेले गए पहले टी-20 मैच में यूएई को 27 रन से हराया। इसके साथ ही सीरीज में बांग्लादेश की टीम ने 1-0 की बढ़त भी बना ली है।

बांग्लादेश की जीत में परवेज हुसैन इमोन ने अहम रोल निभाया। उन्होंने 53 गेंदों में शतक जड़कर बांग्लादेश का स्कोर 191 रन तक पहुंचाया। 192 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई टीम 164 रन ही बना सकी।टॉस हारकर पहले बांग्लेदश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तजीद हसन तमीम और परवेज हुसैन इमोन को पारी शुरुआत करने के लिए भेजा गया। तमीम दूसरे ओवर में 10 रन पर आउट हो गए।

कप्तान लिटन दास ने भी 11 रनों की तेज पारी खेली। मगर वे भी पुल शॉट पर कैच देकर पवेलियन चले गए। इमोन और लिटन दास के बीच दूसरे विकेट के लिए 21 गेंदों पर 36 रन की साझेदारी हुई। पावरप्ले के बाद बांग्लादेश का स्कोर 55/2 पर था।

इमोन और तौहीद हृदॉय के बीच 58 रनों की साझेदारी हुई, लेकिन इसके बाद,यूएई ने लगातार विकेट चटकाए। मेहदी हसन (2), डेब्यू कर रहे जाकिर अली अनिक (13), और शमीम हुसैन (6) सस्ते में आउट हो गए। 17वें ओवर तक बांग्लादेश का स्कोर 156 पर 6 विकेट तक पहुंच गया था।

इमोन को 84 रनों पर एक नो-बॉल पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और शतक पूरा किया। लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गए। इमोन ने 53 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। यह टी-20 में बांग्लदेश की ओर से दूसरा शतक था।

इमोन से पहले तमीम इकबाल ने 2016 टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ नाबाद 103 रन की पारी खेली थी। इमोन ने अपनी पारी में 9 छक्के और 5 चौके लगाए, जो टी-20में किसी भी बांग्लादेशी बल्लेबाज का सबसे ज्यादा छक्के हैं। इमोन ने 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और अगले 25 गेंदों में शतक तक पहुंच गए।

तनवीर इस्लाम 1 रन बनाकर नाबाद रहे।,श्व के मोहम्मद जवादुल्लाह ने 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। वह बांग्लादेश के खिलाफ चार विकेट लेने वाले दूसरे एसोसिएट गेंदबाज बन गए। इससे पहले 2014 में टी-20 वर्ल्ड कप में हांगकांग के नदीम अहमद ने यह कारनामा किया था।

192 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी रही, उसके बावजूद उसे 27 रन से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती 3 ओवर में ही यूएई ने बिना विकेट खोए 38 रन बना लिए थे। कप्तान मोहम्मद वसीम आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे।

यूएई का पहला विकेट 4 ओवर की पांचवीं गेंद पर गिरा। ओपनर मोहम्मद जोहैब को हसन महमूद ने पवेलियन भेजा। जोहैब ने 9 गेंदों का सामना कर 9 रन बनाए।

इसके बाद मुस्तफिजुर ने अलीशान शराफू को पवेलियन भेजकर बैकफुट पर ला लिया। पावरप्ले के बाद यूएई 52/2 पर था।

अभिनेत्री योगलक्ष्मी ने अनजाने में हार्टबीट सीजन 2 की रिलीज डेट का किया खुलासा

अभिनेत्री योगलक्ष्मी, जिन्हें वेब सीरीज हर्टबीट में थेजू के किरदार और हाल ही में सुपरहिट तमिल फिल्म टूरिस्ट फैमिली में उनकी शानदार भूमिका के लिए जाना जाता है, ने अनजाने में अपनी वेब सीरीज हर्टबीट के दूसरे सीजन की बहुप्रतीक्षित रिलीज डेट का खुलासा कर दिया। यह खुलासा उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ एक लाइव डिजिटल बातचीत के दौरान किया। जियोहॉटस्टार के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रशंसकों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन के दौरान किए गए इस खुलासे ने तुरंत ऑनलाइन हलचल मचा दी।

मूल रूप से सीजन 2 के टीजर के अनावरण और कलाकारों के साथ प्रशंसकों की बातचीत को बढ़ावा देने के लिए एक लाइव कार्यक्रम ने तब अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब योगलक्ष्मी ने अनायास रिलीज की तारीख 22 मई बता दी। यह अनप्लान्ड खुलासा तेजी से वायरल हो गया और प्रशंसकों के साथ-साथ डिजिटल मीडिया का भी ध्यान खींच लिया। सोशल मीडिया पर मचे बवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए, जियोहॉटस्टार ने तुरंत आधिकारिक पुष्टि की, साथ ही शो के प्रतिष्ठित टाइटल ट्रैक का एक नया संस्करण भी जारी किया। अपडेट में लॉन्च तिथि की पुष्टि की गई और इसे सभी प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शेयर किया गया, जिससे नए सीजन के लिए उत्सुकता और बढ़ गई।

तमिल, तेलुगु और हिंदी में प्रीमियर के लिए तैयार, हार्टबीट सीजन 2 का उद्देश्य भावनात्मक गंभीरता को बरकरार रखते हुए इसकी पहुंच को बढ़ाना है, जिसने इसे दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया है। निर्माताओं द्वारा पहले जारी किए गए प्रोमो में दर्शकों को रीना - या रीना 2.0 - से फिर से परिचित कराया गया है, जो अब आरके अस्पताल में एक वरिष्ठ डॉक्टर है। अधिक आश्वस्त, संयमित और नियंत्रण में, रीना को सहानुभूति और शांत शक्ति के साथ अपने नए बैच के प्रशिक्षुओं का नेतृत्व करते हुए देखा जाता है। अर्जुन - जो अब चेयरमैन है - के साथ उसका जटिल रिश्ता अनसुलझे तनाव के साथ उबलता है। सीजन 2 में प्रशिक्षुओं का एक नया समूह भी है, जिनमें निलोफर (काना कानुम कालंगल फेम अक्षता द्वारा अभिनीत), किरण (शिवम), कमल (अब्दुल) और अमाया शामिल हैं। हार्टबीट सीजन 2 को दीपक सुंदरराजन ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसमें रेजिमल सूर्या थॉमस द्वारा सिनेमैटोग्राफी, विग्नेश अर्जुन द्वारा संपादन और सरन राघवन द्वारा संगीत दिया गया है। इस सीरीज का निर्माण ए टेलीफैक्ट्री प्रोडक्शंस राजावेलु द्वारा किया गया है, जिसमें आरजे श्याम सुंदर कार्यकारी निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 22 मई को जियो हॉटस्टार पर विशेष रूप से किया जाएगा।

उर्फी जावेद ने बताई कान के रेड कार्पेट की सच्चाई

78वां कान फिल्म फेस्टिवल चल रहा है। 13 मई से शुरू हुआ यह फेस्टिवल 24 मई तक चलेगा। यहां दुनियाभर की फिल्मों का प्रीमियर होता है तो सिने जगत की चर्चित हस्तियां रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती हैं। इस साल उर्वशी रौतेला, नितांशी गोयल जैसी अभिनेत्रियों ने कान में हिस्सा लिया है। उर्फी जावेद भी कान फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली थीं, लेकिन उनका वीजा रिजेक्ट हो जाने के कारण वे हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में उन्होंने कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदारी के बारे में बात की।

कान में जाना काबिलियत पर आधारित नहीं उर्फी जावेद ने कान फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी एक सच्चाई बताई है। उन्होंने कहा कि कान जाने का अवसर आपकी काबिलियत पर आधारित नहीं है। ब्रांड्स रेड कार्पेट के लिए टिकट खरीदते हैं और उन्हें अपने ब्रांड का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिग्गज फिल्मी हस्तियों/ इन्फ्लुएंसर्स को देते हैं। उर्फी ने आगे कहा कि कोई निजी तौर पर भी टिकट खरीद सकता है।

फिल्म का प्रीमियर बड़ी उपलब्धि

उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे लेकर नोट लिखा है। उन्होंने आगे लिखा, निजी तौर पर भी कान के रेड कार्पेट पर चलने के लिए टिकट खरीदे जा सकते हैं। कान के रेड कार्पेट पर चलना कोई उपलब्धि नहीं है, मेरे लिए भी नहीं। यह खुद के प्रमोशन का एक अवसर है। यही सच्चाई है, जो मैंने यहां बताई। जब तक कि आपकी फिल्म का प्रीमियर इस फेस्टिवल में नहीं हो रहा हो यह कोई उपलब्धि नहीं। हां, फिल्म का यहां प्रीमियर होना उपलब्धि है। रेड कार्पेट पर चलने के लिए आप टिकट खरीद सकते हैं अगर आपके पास पैसा है। इसके अलावा ब्रांड्स भी आपको स्पॉन्सर कर सकते हैं।

उर्फी को मिला था मौका, लेकिन...

बीते दिनों उर्फी जावेद ने खुलासा किया कि वे कान 2025 में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मुझे इंडे वाइल्ड के जरिए कान जाने का मौका भी मिला था (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद) लेकिन जैसा मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ मजेदार आउटफिट आइडिया पर काम कर रही थी, लेकिन वीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई है।'

पलक तिवारी ने बताया रोमियो एस 3 में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री पलक तिवारी की एक्शन फिल्म रोमियो एस 3 सिनेमाघरों में रिलीज के हो गई है। इस बीच उन्होंने अपने किरदार से जुड़ी खास बातों के साथ ही बताया कि फिल्म में काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। पलक ने बताया कि पत्रकार बनने के लिए उन्होंने कैसे तैयारी की।

एक्शन से भरपूर फिल्म में एक मजबूत पत्रकार का किरदार निभाना पलक के करियर में एक नया अध्याय जोड़ता है। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने तैयारी कैसे की। उन्होंने बताया, यह मेरे लिए बहुत अहम था। मैंने इस किरदार को निभाने के लिए बहुत स्टडी की और यह समझा कि असली पत्रकार कैसे काम करते हैं, खासकर मुश्किल हालात में। मैंने स्क्रीन पर वही गंभीरता और लगन दिखाने की कोशिश की। मैं चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में मनोरंजन का आनंद लें। मेरा नया अंदाज दर्शकों को पसंद आएगा।

पलक तिवारी ने बताया, मैं इस फिल्म में एक निडर और जिज्ञासु पत्रकार का किरदार निभा रही हूं, जो हमेशा अपने उसूलों पर कायम रहती है। यह रोल मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि पेन स्टूडियोज और जयंतीलाल गड़ा जी का सपोर्ट था, जिससे मुझे इस रोल को निभाने का विश्वास मिला। इसके साथ ही पलक ने एक्शन और थ्रिलर फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को भी शेयर किया। उन्होंने बताया, यह अनुभव काफी मजेदार रहा, यह मेरे लिए नया और सेट पर जो माहौल था, वो बहुत प्रेरित करने वाला था। पेन स्टूडियोज जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने से यह और भी खास हो गया। पलक ने बताया कि गुड्डू धनोवा के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। उन्होंने बताया, सर के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। वह बहुत क्लियर हैं अपनी सोच में और पूरे काम को आसान और मजेदार अंदाज में पेश करते हैं। पेन स्टूडियोज के साथ काम करने का अनुभव शानदार था।

परफॉर्मेंस से पहले होती थी घबराहट, अब रहती हूं उत्साहित

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने बात करते हुए बताया कि पहले स्टेज पर जाने से पहले उन्हें घबराहट महसूस होती थी, लेकिन समय के साथ उन्होंने इसे कैसे काबू करना सीखा है। श्रुति हासन ने अपने सफर के बारे में बताया कि भले ही परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट अब भी बनी रहती है, लेकिन अब वह उस घबराहट को प्रेरणा और जोश का स्रोत मानती हैं।

जब श्रुति से पूछा कि क्या वह कभी परफॉर्मेंस से पहले नर्वस होती हैं, तो उन्होंने कहा, पहले मैं परफॉर्म करने से पहले बहुत नर्वस हो जाती थी, बहुत ज्यादा नर्वस। अब समय के साथ मैं बहुत बेहतर हो गई हूं, लेकिन फिर भी मुझे एक हल्की सी घबराहट, एक उत्साह का एहसास होता है। यह बस परफॉर्मेंस से पहले की घबराहट है, जिसे मैं बहुत अच्छा मानती हूं। यह मुझे प्रेरित करती है। लेकिन मैं हमेशा प्रैक्टिस के लिए समय जरूर निकालती हूं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि मेरा बैंड कभी-कभी थोड़ा परेशान हो जाता है क्योंकि मैं हमेशा ज्यादा प्रैक्टिस के लिए कहती रहती हूं। मुझे म्यूजिक के लिए रिहर्सल करना बहुत पसंद है, और मैं चाहती हूं कि जितना हो सके, उतना रिहर्सल करूं।

हालांकि जब एक्टिंग की बात आती है, तो मुझे बहुत ज्यादा प्रैक्टिस पसंद नहीं है। लेकिन म्यूजिक के मामले में मैं ज्यादा से ज्यादा रिहर्सल करने को तैयार रहती हूं, क्योंकि मैं इसे अपनी परफॉर्मेंस का एक जरूरी हिस्सा मानती हूं। श्रुति हासन ने म्यूजिक जर्नी के बारे में कहा कि लाइव परफॉर्म करने के लिए उनके कुछ पसंदीदा गाने वॉश मी अवे बेहद खास हैं। यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। जब वह इस गाने पर लाइव परफॉर्म करती हैं, तो इसमें एक चुनौती भी होती है, क्योंकि हर शब्द को सही तरीके से गाने की जिम्मेदारी होती है। यह चुनौती एक मजा और आनंद का हिस्सा है। जब एक्ट्रेस से उनके पसंदीदा सिंगर के बारे में पूछा गया, तो श्रुति ने कहा कि उनका कोई एक पसंदीदा नहीं है। इसकी बजाय, उन्हें भारतीय शास्त्रीय संगीत से लेकर रॉक एंड रोल तक, हर प्रकार के संगीत में अलग-अलग आवाजों को सुनना पसंद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कुली में नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होगी।

एक्टर जहान कपूर ने बताया नेपोटिज्म का मतलब

दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के पोते जहान कपूर ने इस साल सीरीज ब्लैक वारंट में अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में जहान ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर बात की। जहान ने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। एक्टर ने कहा कि उन्हें इससे डर लगा। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सरनेम का फायदा क्यों नहीं उठाना चाहिए।

क्या है नेपोटिज्म का मतलब?

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवाने की नेटफ्लिक्स सीरीज ब्लैक वारंट में जेलर सुनील कुमार गुप्ता के किरदार में नजर आए। जहान ने नेपोटिज्म को अनुचित फायदा बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने सरनेम को कभी हल्के में नहीं लिया। जहान ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया कि नेपोटिज्म का क्या मतलब है? जहान के मुताबिक, यह एक अयोग्य, गैर-योग्यतापूर्ण लाभ है जो किसी को निजी इक्केशन के कारण दिया जाता है। यही इसका मतलब है।

सरनेम ने डरा दिया

जहान ने आगे कहा कि वास्तव में कपूर नाम और उसके बैगेज ने उन्हें काफी जरा दिया। उन्हें लगता कि उनके लिए अगर कोई दरवाजा खुला और उन्होंने मौके का पूरा फायदा नहीं उठाया, अगर वे तैयार नहीं हुए, या उनके पास अपने पैरों पर खड़े होने और आत्मविश्वास से मौके को पाने के साधन नहीं हुए तो वह सबसे बड़ा नुकसान होगा। जहान ने कहा, मतलब लाना है मुझ पर।

अपना नाम बनाने में 12 साल लग गए

जहान के मुताबिक मेरा नजरिया यही है कि क्यों मुझे सरनेम का फायदा नहीं उठाना चाहिए, बल्कि अपनी पूरी तैयारी करनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि मुझे कुछ मुफ्त में दिया गया हो। आपको लगता है कि यह आसान है? आपका नाम है। मुझे इसमें 12 साल लग गए।

डिप्रेशन के बाद परिवार से रिश्ता तोड़ने पर अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी

'मेरे माता-पिता को बहुत बुरा लगा था। लेकिन वो कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था बल्कि लंबे समय से मन में चल रहीं भावनाओं को जाहिर करने का एक जरिया था।' बॉलीवुड सिंगर अमाल मलिक ने यह सारी बातें अपने डिप्रेशन के बाद वाले पोस्ट को लेकर कहीं। सिंगर ने बताया कि उनके परिवार का उस पर क्या रिएक्शन था। आखिर क्यों उन्होंने वो कदम उठाया था।

अमाल मलिक ने तोड़ी चुप्पी इंटरव्यू में अमाल मलिक ने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ते हुए बताया है कि उनके परिवार में इसके बाद क्या-क्या हुआ। अमाल ने इंस्टव्यू में साफ किया कि यह कोई गुस्से में लिखा गया पोस्ट नहीं था, बल्कि उन्होंने लंबे समय से दबी हुई भावनाओं को जाहिर किया था। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम अपने दिल की बात सालों तक दबाए रखते हैं। मैं भी वैसा ही कर रहा था। मुझे लगा कि अब वक्त है उन्हें बाहर निकालने का।'

अमाल ने आगे कहा, 'लोग अक्सर सोचते हैं कि परिवार की बातें सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए, लेकिन कई बार सबसे करीब के लोग ही हमारी तकलीफ नहीं समझ पाते। मैं, अरमान, मम्मी-पापा, हम चारों एक मजबूत यूनिट हैं। लेकिन हर इंसान के अंदर एक संघर्ष होता है, जो बाहर से नजर नहीं आता। हो सकता है अरमान भी कुछ छुपा रहा हो, जैसे मैं कर रहा था।'

परिवार का क्या रिएख्शन? इस भावनात्मक खुलासे के बाद सबसे बड़ा सवाल था कि क्या इससे अमाल के परिवार में दरार आ गई? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे माता-पिता थोड़े आहत जरूर हुए, लेकिन उन्होंने मेरी भावना को समझा। इस बातचीत ने हमें और करीब ला दिया है। हम एक-दूसरे से ज्यादा खुलकर बात करने लगे हैं।'

भाई अरमान से रिश्ते पर कही बड़ी बात अरमान के बारे में पूछे जाने पर अमाल ने भावुक होकर कहा, 'मेरे और अरमान के रिश्ते को दुनिया जानती है। वो रिश्ता इतना मजबूत है कि कोई भी चीज उसे बदल नहीं सकती। हम दोनों के बीच जो प्यार है, वो हमेशा रहेगा।'

अमाल मलिक ने पोस्ट में क्या लिखा? 20 मार्च 2025 को कंपोजर-सिंगर अमाल मलिक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने लिखा, 'मैं अब ऐसी जगह पहुंच गया हूं, जहां मेरी शांति छीन चुकी है। इस वजह से मैं डिप्रेस हो गया हूं। इसके लिए मैं खुद को और अपने करीबी लोगों को दोष देता हूं। मैं भारी दिल से घोषणा करता हूं कि अपने करीबी लोगों से रिश्ते खत्म कर रहा हूं।' अमाल के इस पोस्ट के बाद उनके फैंस हैरान रह गए थे।

बोनी कपूर ने बताई सच्चाई, इस वजह से दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी 'नो एंट्री 2

साल 2005 में आई बोनी कपूर के प्रोडक्शन तले बनी सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'नो एंट्री' के सीक्वल को लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चाएं हो रही हैं। फिल्म की स्टार कास्ट भी फाइनल होने लगी थी। हालांकि, अब ताजा चर्चाएं ये हैं कि दिलजीत दोसांझ ने फिल्म से खुद को अलग कर लिया है। अब वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे क्रिएटिव डिफरेंस को वजह बताया जा रहा था। लेकिन अब निर्माता बोनी कपूर ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने साफ किया है कि इस पूरे मामले में सच्चाई क्या है। दिलजीत के क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म से बाहर होने की चर्चाओं पर निर्माता बोनी कपूर ने प्रतिक्रिया दी है और असली बात को बताया है। बोनी कपूर ने दिलजीत के फिल्म से खुद को अलग करने के बारे में हामी भरते हुए बताया कि हां, तारीखों को लेकर कुछ समस्याएं हैं। लेकिन निश्चित रूप से कोई रचनात्मक मतभेद नहीं है। यह बिल्कुल गलत है। हम तारीखों को लेकर पूरी कोशिश कर रहे हैं। बोनी कपूर ने साफ किया कि दिलजीत के पास डेट्स इश्यू आ रहे हैं, न कि क्रिएटिव मतभेद हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।